दिल्ली
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्यूनतम तापमान 28 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्यूनतम तापमान 27 डिग्री

सोमवार 15 सितंबर 2025
सूर्योदय प्रातः 06:06 बजे
सूर्यास्त सांय 18:26 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 अनियंत्रित इस्राईल : विश्व शांति के लिए खतरा

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 331 | गाजियाबाद, सोमवार 15 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CBDC | Paytm
Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

पुलिस थानों में सीसीटीवी की कमी पर स्वतः संज्ञान वाली जनहित याचिका पर सुनवाई आज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम न्यायालय पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी को लेकर स्वतः संज्ञान वाली जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत ने मानवाधिकारों के हनन पर रोक लगाने के लिए साल 2018 में पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ सोमवार को इस मामले पर सुनवाई कर सकती है। पीठ ने चार सितंबर को मीडिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था, "... हम 'पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी' शीर्षक से एक स्वतः संज्ञान जनहित याचिका दर्ज करने का निर्देश दे रहे हैं, क्योंकि ऐसी खबरें आई हैं कि साल 2025 के शुरुआती सात-आठ महीनों में पुलिस हिरासत में करीब 11 मौतें हुई हैं।"

आयकर रिटर्न भरने की सोमवार को आखिरी तारीख

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की सोमवार को आखिरी तारीख है और ऐसे में आयकर विभाग ने लोगों को अंतिम समय में संभावित परेशानी से बचने के लिए आज ही अपना रिटर्न भरने की सलाह दी है। विभाग ने सोशल मीडिया के माध्यम से रविवार को बताया कि अपना आयकर रिटर्न आज ही दाखिल करें। अक्सर देखा जाता है कि जब बड़ी संख्या में लोग अंतिम समय में लॉगइन करते हैं तो सर्वर हैंग होने या प्रक्रिया धीमी होने की शिकायत आती है। उल्लेखनीय है कि आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख फिलहाल 15 सितंबर है। इसके बाद रिटर्न भरने पर पांच लाख तक की कुल आय वालों को एक हजार रुपये और उससे अधिक की आय वालों को पांच हजार रुपये का जुर्माना देना होगा। आयकर विभाग ने शनिवार को बताया था कि अब तक छह करोड़ से अधिक लोगों ने रिटर्न भरा है। आकलन वर्ष 2024-25 में 7.28 करोड़ करदाताओं ने आयकर रिटर्न भरा था। विभाग ने छह करोड़ का आंकड़ा पार करने के लिए करदाताओं और कर पेशेवरों को धन्यवाद दिया है।

अमित खरे नियुक्त किए गए उपराष्ट्रपति के सचिव

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 1985 बैच के आईएएस व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अमित खरे (सेवानिवृत्त) को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का सचिव नियुक्त किया है। अमित खरे झारखंड कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं। वह बिहार के कुख्यात चारा घोटाले का पर्दाफाश करने में अपनी भूमिका के लिए भी विशेष रूप से जाने जाते हैं। रविवार को अमित खरे की नियुक्ति को मंजूरी दी गई है। गौरतलब है कि सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार 12 सितंबर को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली है। उपराष्ट्रपति होने के नाते सीपी राधाकृष्णन राज्यसभा के सभापति भी हैं। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के सचिव अमित खरे की नियुक्ति, सचिव श्तर के पद और वेतनमान पर अनुबंध के आधार पर तीन वर्षों के लिए होगी।

लोस अध्यक्ष - रास के उप सभापति ने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किये

✷ वेबवार्ता. तिरुमला ✷। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्य सभा के उपा सभापति हरिवंश नारायण सिंह ने रविवार को आंध्र प्रदेश के तिरुमाला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किये। श्री बिरला और श्री हरिवंश के आगमन पर टीटीडी के अध्यक्ष बी.आर नायडू और अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी सीएच. वेंकैया चौधरी ने मंदिर के प्रवेश द्वार पर उनका स्वागत किया और मंदिर की परंपरा के मुताबिक उन्हें भगवान के दर्शन करवाये।

एशिया कप 2025 : भारत ने पाक को 7 विकेट से रौंदा

✷ वेबवार्ता. नई दिल्ली/दुबई ✷

एशिया कप 2025 के तहत खेले मैच में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। पाकिस्तान ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया था। इसके बाद पाक टीम ने भारत को 128 रन का लक्ष्य दिया। 128 रनो का पीछा करते भारत ने 15.5 ओवर में 3 विकेट पर 131 रन बनाकर मैच 7 विकेट से मैच जीत लिया। भारत-पाक मैच को लेकर दुनिया का नजरें टिकी थी।

एशिया कप 2025 के जिस मैच का इंतजार दुनिया के करोड़ों क्रिकेट प्रेमी कर रहे थे, उसका परिणाम बेहद रोमांचकारी रहा। दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेले गए मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के ऑपरेशन 'व्हाइट बॉल' के सामने पाकिस्तान पस्त नजर आई। पाकिस्तानी टीम ने भारत के सामने पूरी तरह घुटने टेक दिए।

पहले गेंदबाजी और फिर बल्लेबाजी में भारतीय टीम ने बताया कि पाकिस्तान उसके सामने कहीं नहीं है। पाकिस्तानी टीम ने भारत के सामने पूरी तरह घुटने टेक दिए। पहले गेंदबाजी और फिर बल्लेबाजी में भारतीय टीम ने बताया कि पाकिस्तान उसके सामने कहीं नहीं है।

पाकिस्तान से मिले 128 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए अभिषेक शर्मा ने धमाकेदार शुरुआत की और शाहीन अफरीदी को पहली दो गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर अपनी क्लास दिखा दी। शर्मा ने 13 गेंदों पर 4 चौके और 2 छक्के की मदद से 31 रन बनाए। गिल 7 गेंद पर 10, तिलक वर्मा 31 गेंद पर 31 रन बनाकर आउट हुए। तिलक और सूर्यकुमार यादव के बीच तीसरे विकेट के लिए 56 रन की अहम साझेदारी हुई। सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी पारी खेली और छक्का लगाकर मैच जितवाया। सूर्या 37 गेंद पर 1 छक्का और 5 चौके की मदद से 47 रन बनाकर नाबाद रहे।

शिवम दुबे 10 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 15 l5 ओवर में 3 विकेट पर 131 रन बनाकर मैच 7 विकेट से जीता। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भारतीय सेना को जीत समर्पित करते हुए कहा कि 'आप निश्चित रूप से इसे जीतना चाहते हैं और जब आप इसे जीतते हैं, तो आपके पास यह तैयार होता है। एक बॉक्स जिसे मैं हमेशा टिक करना चाहता था, वह था वहां टिके करना और अंत तक बल्लेबाजी करना। पूरी टीम के लिए हम सोचते हैं कि यह सिर्फ एक और खेल है। हम सभी विरोधियों के लिए एक जैसी तैयारी करते हैं। कुछ महीने पहले ऐसा ही हुआ था। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम ने मैच सेट किया। मैं हमेशा स्पिनरों का प्रशंसक रहा हूं क्योंकि वो बीच में खेल को नियंत्रित करते हैं।

इससे पहले दुबई की धीमी पिच ने भारत के गेंदबाज़ों की मदद की और पाकिस्तान अपनी पारी के दौरान लय हासिल करने के लिए संघर्ष करता रहा। साहिबज़ादा फ़रहाम ने 40 रनों की पारी खेलकर शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि शाहीन शाह अफ़रीदी ने 16 गेंदों में नाबाद 33 रनों की पारी खेलकर पाकिस्तान के स्कोर को कुछ सम्मानजनक बनाया।

पंजाब आपदा : पटरी पर लौट रही जिंदगी, राहुल गांधी आज करेंगे दौरा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पंजाब में बाढ़ से बिगड़े हालात के बीच स्थिति का जायजा लेने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को गुरदासपुर जिले का दौरा करेंगे। इस दौरान वह बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेंगे और पीड़ितों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगे।

जानकारी के अनुसार, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सोमवार को पंजाब के गुरदासपुर पहुंचेंगे, जहां वे बाढ़ से प्रभावित गांवों का दौरा करेंगे। इस दौरान वे स्थानीय लोगों से मुलाकात करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे। इस दौरान वे बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन भी करेंगे। राहुल गांधी का यह दौरा राजनीतिक दृष्टिकोण से काफी अहम माना जा रहा है।

इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई अन्य बड़े नेता भी पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर चुके हैं। इन दौरों का मकसद नुकसान का जायजा लेना और प्रभावित लोगों को सहायता पहुंचाने के लिए योजनाएं बनाना रहा है। राहुल गांधी का यह दौरा भी इसी दिशा में एक कदम माना जा रहा है। गौरतलब है कि पंजाब में आई भीषण बाढ़ ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है।

पहाड़ी राज्यों में तेज बारिश और नदियों के उफान से राज्य के 13 जिलों के 1,400 से अधिक गांव जलमग्न हो गए हैं। लाखों लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, वहीं लाखों हेक्टेयर फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं।

खराब मौसम के कारण वैष्णो देवी यात्रा फिर स्थगित

✷ वेबवार्ता. जम्मू ✷

माता वैष्णो देवी मंदिर तीर्थयात्रा खराब मौसम के मद्देनजर रविवार को पुनः को स्थगित कर दी गयी। यह यात्रा 19 दिनों के लंबे अंतराल बाद रविवार से शुरू होने वाली थी।

मंदिर बोर्ड के अधिकारी ने बताया, 'श्री माता वैष्णो देवी यात्रा जो रविवार से शुरू होने वाली थी, भवन और मार्गों पर लगातार बारिश के कारण अगले आदेश तक पुनः स्थगित की जाती है।' उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं से निवेदन है कि आधिकारिक संचार तंत्र के जरिये जानकारी प्राप्त करते रहें।

26 अगश्त को अधकुवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश से आये भूस्खलन में कम से कम 34 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी, जिसमें अधिकतर श्रद्धालु थे और कई अन्य घायल हो गये थे।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल और श्री माता वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने 26 अगश्त के भूस्खलन की जांच के लिये एक उच्च श्तरीय तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। जम्मू कश्मीर के जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालिन काबरा की अध्यक्षता में गठित समिति में जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक बी.एस. टूटी भी शामिल हैं। यह समिति एलजी सिन्हा को घटना की जांच कर रिपोर्ट देगी। इससे पहले कटरा के आध्यात्मिक विकास केंद्र में 13 सितंबर को श्री माता वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य की अध्यक्षता में एक संयुक्त बैठक की गयी, जिसमें 22 सितंबर से चलने वाली नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि के दौरान निर्बाध तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने पर चर्चा की गयी।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि नवरात्रि निकट है और ऐसे में बोर्ड को तीर्थस्थल और कटरा स्थित आधार शिविर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है इसलिए नवरात्रि पर्व के दौरान सभी एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करें।

प्रधानमंत्री मोदी ने असम के नुमालीगढ़ में 12,230 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

✷ वेबवार्ता. गोलाघाट/नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम में गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में 5,000 करोड़ रुपये की लागत वाले बांस आधारित इथेनॉल संयंत्र का रविवार को उद्घाटन किया।

मोदी ने नुमालीगढ़ रिफाइनरी में 7,230 करोड़ रुपये की 'पेट्रो फ्लूइडाइज्ड कैटेलिटिक क्रैकर इकाई' की आधारशिला भी रखी।

अधिकारियों ने बताया कि ''दुनिया का पहला, दूसरी पीढ़ी का'' बायोइथेनॉल संयंत्र एक ''शून्य अपशिष्ट'' प्रतिष्ठान है, जो बांस के पौधे के सभी हिस्सों का इश्तेमाल करेगा और इससे राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को 200 करोड़ रुपये का बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह संयंत्र पूर्वोत्तर के चार राज्यों से पांच लाख टन हरा बांस प्राप्त करेगा, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 50,000 से अधिक लोगों को लाभ होगा।

अधिकारियों के मुताबिक, मोदी ने जिस पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र की आधारशिला रखी है, वह व्यापक अनुप्रयोगों वाले प्लास्टिक के निर्माण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने बताया कि इस संयंत्र में हर साल 75,000 मानव-दिवस रोजगार सृजित करने की क्षमता है। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने दरांग जिले के मंगलदई में 6,300 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने एक नर्सिंग कॉलेज और एक जीएनएम स्कूल के साथ-साथ दरांग मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के निर्माण संबंधी परियोजना की भी शुरुआत की।

अधिकारियों ने बताया कि इन स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं में कुल 570 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। मोदी ने 1,200 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले 2.9 किलोमीटर लंबे नरेंगी-कुरुवा पुल और असम में कामरूप तथा दारंग जिलों एवं मेघालय में री भोई को जोड़ने वाली 118.5 किलोमीटर लंबी गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना की भी आधारशिला रखी।

रिंग रोड परियोजना की अनुमानित लागत 4,530 करोड़ रुपये है। मोदी असम के दो दिवसीय दौरे पर शनिवार शाम गुवाहाटी पहुंचे थे, जहां वह 'भारत रत्न' से अलंकृत दिवंगत गायक भूपेन हजारिका के जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए।

अदालतों में याचिका के बावजूद ग्रेट निकोबार परियोजना को आगे बढ़ाया जा रहा है : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'ग्रेट निकोबार मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर' परियोजना एक ''पारिस्थितिकीय आपदा'' है, जिसे नरेन्द्र मोदी सरकार जबरदश्ती थोप रही है, जबकि इसकी पर्यावरणीय मंजूरी को अदालतों में चुनौती दी गई है। पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि 'अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह एकीकृत विकास निगम' इस परियोजना के तहत पेड़ों की गणना, कटाई, लट्ठे की ढुलाई और जमीन पर चिह्नांकन के लिए रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है।

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर कहा, ''अठारह अगश्त 2022 को, केंद्रीय गृह मंत्रालय के नियंत्रण में आने वाले अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह प्रशासन ने प्रमाणित किया था कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत सभी व्यक्तिगत और सामुदायिक अधिकारों की पहचान की जा चुकी है, उनका निपटारा कर लिया गया है, और ग्रेट निकोबार मेगा इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजना के लिए भूमि हश्तांतरण हेतु सहमति प्राप्त कर ली गई है।'

उन्होंने कहा, ''अठारह दिसंबर 2024 को इस मंजूरी को सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी मीना गुप्ता ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। वह केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय में सचिव थीं और केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय में एक वरिष्ठ अधिकारी भी रह चुकी हैं।''

रमेश ने कहा कि उनकी याचिका में कहा गया है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह प्रशासन के प्रमाणीकरण में वन अधिकार अधिनियम, 2006 का अक्षरशः पालन नहीं किया गया है और वाश्तव में यह दिसंबर 2006 में संसद द्वारा पारित कानून का बहुत गंभीर उल्लंघन है।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''इसके बाद 19 फरवरी, 2025 को केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने अजीब तरीके से कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक हलफनामा दायर कर कहा कि उसे प्रतिवादियों की सूची से हटा दिया जाना चाहिए।'' हालांकि, उन्होंने दावा किया कि आठ सितंबर 2025 को केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने स्थानीय प्रशासन द्वारा वन अधिकार अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का पालन न करने के संबंध में लिटिल और ग्रेट निकोबार द्वीप समूह की जनजातीय परिषद द्वारा उठाए गए कई बिंदुओं पर केंद्र शासित प्रदेश अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के मुख्य सचिव से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी थी। उन्होंने दावा किया कि ग्रेट निकोबार मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना को पर्यावरणीय मंज़ूरी को भी राष्ट्रीय हरित अधिकरण में चुनौती दी जा रही है। कांगेस नेता ने कहा, ''लेकिन इन सबके बावजूद 'अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह एकीकृत विकास

जीएसटी दरों में कटौती सही, सरकार ने बहुत देर से उठाया यह कदम

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत के पूर्व वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने जीएसटी दरों में हुई कटौती पर केंद्र सरकार को घेरा है।

एक समाचार पत्र में छपे लेख में चिदंबरम ने कहा कि आखिरकार सरकार ने वही माना जो उन्होंने आठ साल पहले संसद में उठाया था कि जीएसटी दर 18 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इस फैसले को सही लेकिन बहुत देर से उठाया गया कदम बताया।

चिदंबरम ने याद दिलाया कि जब 2016 में संविधान संशोधन बिल पर संसद में चर्चा हुई थी, तब उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि जीएसटी एक अप्रत्यक्ष कर है, जो अमीर और गरीब दोनों पर समान रूप से लागू होता है। ऐसे में इसे 18 फीसदी से ऊपर रखना अन्यायपूर्ण होगा। उन्होंने चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि उभरते बाजारों में जीएसटी की औसत दर 14.1फीसदी है और विकसित देशों में करीब 16.8फीसदी। यही कारण है कि कांग्रेस ने 18 फीसदी की दर का सुझाव दिया था।

पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र ने उस समय यह तर्क दिया था कि कम दरें रखने से राज्यों को भारी नुकसान होगा, लेकिन हकीकत यह है कि सरकार ने ऊंची दरों के जरिए उपभोक्ताओं से हर संभव पैसा वसूल किया है। उन्होंने आंकड़े दिए कि 2017-18 में जीएसटी से करीब 11 लाख करोड़ रुपए वसूले गए, जबकि 2024-25 में यह राशि बढ़कर 22 लाख करोड़ तक पहुंच गई।

चिदंबरम ने लेख में लिखा कि यह बोझ लोगों की जेब पर पड़ा, खपत घटी और घरेलू कर्ज बढ़ा। यही वजह थी कि जीएसटी को आम लोगों ने "गब्बर सिंह टैक्स" नाम से पुकारा। चिदंबरम ने सवाल उठाया कि अगर आज टूथपेस्ट, हेयर ऑयल, घी, बच्चों के नैपकिन, पेंसिल-कॉपी, ट्रैक्टर और स्प्रिंकलर जैसी रोज़मर्रा की चीजों पर 5 फीसदी दर लगाना सही है, तो पिछले आठ सालों तक लोगों से ज्यादा वसूली क्यों की गई। उन्होंने कहा कि ऊंचे टैक्स स्लैब ने खपत को दबाया और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया।

उन्होंने यह भी कहा कि दरों में कटौती अच्छी शुरुआत है लेकिन काम यहीं खत्म नहीं होता।

राजनाथ ने बड़े रक्षा सुधार के तहत नयी रक्षा खरीद नियमावली को मंजूरी दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

रक्षा मंत्रालय ने सुधारों की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राजस्व

खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, सरल, सक्षम और युक्तिसंगत बनाने के लिए नयी रक्षा खरीद नियमावली 2025 को मंजूरी दे दी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यालय ने रविवार को बताया कि रक्षा मंत्री ने नयी नियमावली को मंजूरी दे दी है। बजट अनुमान 2025 में राजस्व खरीद का बजट लगभग एक लाख करोड़ रुपये है।

नयी नियमावली रक्षा क्षेत्र मेंआत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए सेनाओं के लिए राजस्व खरीद में तेजी लाएगी, स्टार्टअप और एमएसएमई सहित भारतीय उद्योग को सरल प्रक्रियाओं के साथ सक्षम बनाने के साथ साथ नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देगी। इसमें सहायक वित्तपोषण विकल्प और अनावश्यक दंड में ढील देकर उद्योगों के सामने आने वाली कार्यशील पूंजी संबंधी समस्याओं को कम किया गया है।

नयी नियमावली से उद्योग, शिक्षा जगत और सार्वजनिक क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा अनुसंधान और विकास को कई सक्षम प्रावधानों के साथ बढ़ावा मिलेगा।

इसमें रक्षा राजस्व खरीद और उद्योग के लिए समान अवसर प्रदान करने से संबंधित विशिष्ट चिंताओं का समाधान किया गया है। नयी नियमावली वित्त मंत्रालय द्वारा जारी वश्तुओं के लिए खरीद नियमावली के अनुरूप है।

गुलदार ने इससेपुर में महिला को बनाया निवाला, ग्रामीणो ने किया डी.एफ.ओ. कार्यालय पर प्रदर्शन

एनसीआर टुडे. किरतपुर । खेत पर चारा लेने गई महिला को गुलदार ने बनाया अपना शिकार। अस्पताल में लेकर पहुंचे परिजन डॉक्टरो ने किया मृत घोषित। गुस्साए ग्रामीण शव को लेकर डीएफओ कार्यालय पर पहुंचे। दो सप्ताह में चौथी मौत हो जाने से किसान यूनियन का गुस्सा भी फूटा। दफ्तर से बाहर निकलने को तैयार नहीं है डीएफओ, ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन जारी। तहसील नजीबाबाद के इस्सेपुर गांव का मामला।ग्रामीणों में घटना को लेकर भयंकर गुस्सा भरा है।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता मार्डन ऐरा में हुई आयोजित

एनसीआर टुडे. नहटौर । झालू रोड स्थित मॉडर्न एरा पब्लिक स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नर्सरी से यूकेजी तक के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। बच्चों ने पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, केरल और उत्तर प्रदेश आदि विभिन्न राज्यों के आकर्षक परिधान पहनकर प्रस्तुति दी। कक्षा नर्सरी से आहिल ने प्रथम, अलिशवा ने द्वितीय व दिशांत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य डॉ.सचिन चौधरी ने कहा कि इस तरह कार्यक्रमों से बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास होता है। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कृत देकर सम्मानित किया।

भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री ने नगर में पहुंच कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

एनसीआर टुडे. शेरकोट । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिला महामंत्री एवं जिला पंचायत चुनाव जिला सह संयोजक शोभित त्यागी ने शेरकोट मंडल में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आगामी सेवा पखवाड़ा को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में सेवा पखवाड़े के अंतर्गत होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर विश्तार से चर्चा वार्ता की गई। इस अवसर पर शोभित त्यागी ने कहा कि भाजपा की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाना तथा सेवा पखवाड़े को सफल बनाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक जनसंपर्क करने का आह्वान किया। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने फूलमाला एवं पटका पहनाकर शोभित त्यागी का स्वागत किया।बैठक का कुशल संचालन भाजपा मंडल महामंत्री शुभम बिड़ला ने किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष विजयपाल सैनी, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अभिषेक कोहली, पूर्व मंडल अध्यक्ष धर्मवीर चौहान, महामंत्री शिव कुमार, डायरेक्टर रणजीत सिंह, सभासद राधे सैनी, राकेश, संजीव चौहान आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नहर किनारे मिले गोवंश के अवशेष, पुलिस जांच में जुटी

एनसीआर टुडे. नजीबाबाद । जलालाबाद बाईपास पर आदित्य हॉस्पिटल से आगे नहर की पटरी किनारे रविवार सुबह गोवंश के छिन्न-भिन्न अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर क्षेत्राधिकारी नजीबाबाद नितीश कुमार, थाना प्रभारी निशा राहुल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके से अवशेषों के पास काटने के औजार और रस्सी भी बरामद हुई। अवशेषों को जांच एवं फोरेंसिक परीक्षण के लिए भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि अवशेष किस जानवर के हैं। घटना पर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर कड़ी कार्यवाही की मांग की। इस दौरान प्रखंड मंत्री अजय बजरंगी, संयोजक पीयूष बजरंगी, उपाध्यक्ष अरविंद, सहमंत्री चन्द्र, नगर सह संयोजक दीपक, सुरक्षा प्रमुख आदित्य चौहान समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारत-पाकिस्तान मैच का कड़ा विरोध प्रदर्शन

एनसीआर टुडे. अलीगढ़ । भारत और पाकिश्तान के बीच एशिया कप क्रिकेट मैच को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। थाना सासनी गेट क्षेत्र के केपी इंटर कॉलेज में बजरंगबल के पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से प्रदर्शन कर अपनी असहमति जताई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पुलवामा हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर जैसे कड़े कदम उठाए हैं। ऐसे में बम और मैच में से एक का चुनाव करना जरूरी है।

प्रियंका गांधी के वायनाड दौरे के बीच 2 आत्महत्याएं, कांग्रेस के सामने नई मुसीबत

वायनाड, एजेंसी।
केरल के पहाड़ी जिले वायनाड में पार्टी के 2 कार्यकर्ताओं की आत्महत्याओं ने कांग्रेस को मुश्किल में डाल दिया है। यह ऐसे समय हुआ जब सांसद प्रियंका गांधी अपने निर्वाचन क्षेत्र में मौजूद हैं। एक घटना पिछले साल और दूसरी एक दिन पहले की है। वायनाड के मुल्लानकोली में स्थानीय पार्टी कार्यकर्ता ने आत्महत्या कर ली। इसके एक दिन बाद जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष एनएम विजयन की बहू ने अपनी कलाई काटकर सुसाइड करने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि पद्मजा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और अब उनकी हालत स्थिर है।

पद्मजा ने खुदकुशी का प्रयास मीडिया को यह बताने के कुछ घंटों बाद किया कि पिछले साल विजयन की मृत्यु के बाद पार्टी की ओर से वादा की गई वित्तीय सहायता अभी नहीं मिली है। एक त्रासदी में विजयन के साथ उनके बेटे जिजेश की भी जान चली गई थी। 78 वर्षीय विजयन और उनके 38 वर्षीय बेटे ने कर्ज में डूबने के कारण जहर खा लिया था। परिवार का दावा है कि उन्होंने पार्टी गतिविधियों के लिए भारी कर्ज लिया था और चुका ना पाने पर उन्होंने आत्महत्या कर ली। घटना के बाद कांग्रेस ने देनदारियों की जिम्मेदारी लेने का आश्वासन दिया था। लेकिन पद्मजा ने शनिवार को बताया कि परिवार पर अब भी 2 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है, जिसमें से 20 लाख रुपये से भी कम का भुगतान किया गया है। पार्टी की जरूरतों के लिए कर्ज लिया था। पार्टी ने सभी देनदारियों का भुगतान करने का वादा किया था, लेकिन अब वह अपने वादे से मुकर गई है। मेरे पति तनाव के कारण अस्पताल में हैं। मैं अधिक देर तक प्रतीक्षा नहीं कर सकती।' उन्होंने आगे कहा कि परिवार डीसीसी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने और मुख्यमंत्री को याचिका देने की योजना बना रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राजमोहन उन्नीथन ने कहा कि विजयन की मौत की पार्टी जांच अभी जारी है। उन्होंने कहा, 'जब यह पूरी हो जाएगी तो पैसे का भुगतान कर दिया जाएगा। जब जांच लंबित है तो पार्टी भुगतान कैसे कर सकती है?' इस बीच, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मुल्लांकोली पंचायत के पार्षद जोस नेल्लेदम की हालिया आत्महत्या ने पार्टी को और शर्मसार कर दिया है। नेल्लेदम शुक्रवार को अपने घर के पास एक तालाब में मृत पाए गए थे। नेल्लेदम ने जहर खा लिया था और अपनी कलाई भी काट ली थी। नेल्लेदम की मृत्यु के बाद एक वीडियो सामने आया है। इसमें नेल्लेदम ने आरोप लगाया कि साथी नेता कनट्टुमालयिल थंकचन की गिरफ्तारी के सिलसिले में उन पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। थंकचन को उनके घर से शराब और विस्फोटक बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 13 दिन बाद जब पता चला कि यह प्रतिबंधित सामान किसी अन्य पार्टी कार्यकर्ता ने रखा था, तो उन्हें रिहा कर दिया गया। नेल्लेदम ने स्वीकार किया कि उसने पुलिस को प्रतिबंधि सामान के बारे में सूचना दी थी, लेकिन उसने जोर देकर कहा कि उसे झूठे तौर पर साजिशकर्ता बताया गया है। उसने वीडियो में कहा, 'उन्होंने मेरा खून देखने और मेरे बच्चों का भविष्य बर्बाद करने के लिए आरोप लगाए। मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकता।' वायनाड डीसीसी अध्यक्ष एनडी अप्पाचन ने कहा कि पुलिस को नेल्लेदम के घर से एक सुसाइड नोट मिला है, इसलिए उस पत्र की सामग्री जनता के सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ गड़बड़ी का शक है। पुलपल्ली पुलिस ने बिना कोई जांच किए थंकाचन को रिमांड पर ले लिया। हमें पुलिस की कार्रवाई में कुछ राजनीतिक मंशा होने का शक है।' इस बीच मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी वायनाड के आंतरिक मुद्दों को लेकर कांग्रेस के खिलाफ उतर आई है। मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने कहा कि केरल में कांग्रेस माफिया बन गई है। उन्होंने कहा, 'हत्या, आत्महत्या के लिए उकसाना, खुलेआम हिंसक घटनाएं, गर्भपात - यही सब आज कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करता है। अब खबरें आ रही हैं कि वायनाड के दिवंगत पूर्व डीसीसी कोषाध्यक्ष एनएम विजयन की बहू ने भी आत्महत्या का प्रयास किया है।'

ओडिशा में एक व्यक्ति के आरटीआई लगाने पर 1 साल का बैन

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में एक व्यक्ति ने सूचना के अधिकार के तहत इस हद तक आरटीआई फाइल कर दीं कि राज्य सूचना आयोग को उस पर बैन लगाना पड़ गया। आयोग ने आदेश जारी करके पुरी जिले के सतपुरी गांव के निवासी चित्तरंजन सेठी को नई आरटीआई फाइल करने से एक साल तक के लिए बैन कर दिया है। आयोग का आरोप है कि सेठी ने मेइतीपुर ग्राम पंचायत और निमापाड़ा कार्यालय से आय-व्यय और विकास कार्यों का माहवार और सालाना ब्यौरा मांगते हुए 61 आवेदन दायर किए थे। राज्य सूचना आयोग के आयुक्त सुशांत कुमार मोहंती ने बताया कि आरटीआई का जवाब मिलने के बाद भी उन्होंने बार-गबार आवेदन दायर किए। इसलिए उनके द्वारा दायर किए 61 अपीलों को भी खारिज कर दिया गया है। आयोग ने आदेश में कहा, लगातार इस हद तक आरटीआई दाखिल करना आवेदक द्वारा इस प्रक्रिया का दुरुपयोग करना है। निस्संदेह, आवेदक को सूचना का अधिकार है लेकिन वह कानून और प्रक्रिया का पालन करने के लिए भी बाध्य है। आयोग ने अपने सेठी के ऊपर एक साल को बैन तो लगाया ही है। इसके साथ ही सभी आवेदकों के लिए साल में अधिकतम 12 आरटीआई लगाने की सीमा तय करने का निर्देश दिया। साथ ही, हर आवेदन के साथ सालाना दाखिल आरटीआई की संख्या का हलफनामा लगाने को अनिवार्य कर दिया है। आयोग का आरोप है कि सेठी ने बीपीएल कार्ड का इस्तेमाल करके अंधाधुंध आवेदन किए हैं। आपको बता दें कि सामान्य व्यक्ति को आरटीआई फाइल करने के लिए 10 रुपए का शुल्क देना पड़ता है, लेकिन बीपीएल कार्ड धारक के लिए कोई शुल्क नहीं होता है।

बिहार के बाद अब केरल में एसआईआर की तैयारी, चुनाव आयोग की राजनीतिक दलों के साथ बैठक

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी।
चुनाव आयोग बिहार जैसा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पूरे देश में कराने की तैयारी कर रहा है। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू केलकर ने बताया कि 20 सितंबर को राजनीतिक दलों के साथ बैठक होगी। इसमें पार्टियों को एसआईआर की प्रक्रिया के बारे में बताया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने सारी तैयारियां कर ली हैं और शेड्यूल का इंतजार कर रहे हैं। इसके तहत 20 तारीख को राजनीतिक पार्टियों के साथ बैठक होगी, जिसमें इस प्रक्रिया के कदम और तरीके समझाए जाएंगे।

रतन केलकर ने बताया कि केरल में एसआईआर की घोषणा जल्द होगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने रिकॉर्ड्स को डिजिटाइज करके अपनी वेबसाइट पर सर्च करने लायक फॉर्मेट में डाल दिया है। उन्होंने कहा, हाल ही में निर्वाचन आयोग की बैठक में हमने पूरे देश में एसआईआर की तैयारियों पर चर्चा की थी। केरल की ओर से हमने अपनी तैयारियां पेश कीं और हमें उम्मीद है कि एसआईआर की घोषणा जल्द होगी। केरल में हमने पहले से कुछ तैयारियां शुरू कर दी हैं। 2002 में हमने एसआईआर किया था। उन्होंने कहा कि सारे रिकॉर्ड्स डिजिटाइज कर दिए गए हैं और उन्हें वेबसाइट पर सर्च करने लायक बना दिया है। केरल में 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता की रतन केलकर ने तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया आसान होगी। इसमें जनता, मीडिया और राजनीतिक पार्टियों समेत सभी स्टेकहोल्डर्स का सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा, डॉक्यूमेंट्स के लिए केरल में पहले से ही 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन हो चुका है। शत फीसदी डिजिटल साक्षरता है और 4जी कवरेज भी पूरा है। हमारे पास जागरूक समाज है। लोगों, मीडिया और राजनीतिक पार्टियों का अच्छा सहयोग है।

हम एक छत के नीचे नहीं रह सकते, कुकी विधायकों ने पीएम मोदी से कर अलग केंद्र शासित प्रदेश की मांग

इंफाल, एजेंसी।
हिंसा के दो साल बाद मणिपुर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कुकी-जो आदिवासी विधायकों ने बड़ी मांग कर दी है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के आदिवासियों के लिए अलग प्रशासन या फिर अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए। पीएम मोदी को सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने कहा, चुराचांदपुर के पहले दौरे पर हम आपका दिल से स्वागत करते हैं। आपके दौरे के बाद हमें बड़े राजनीतिक परिवर्तन की आशा है। आपको पता है कि मणिपुर के घाटी इलाके से हमारे लोगों को भगा दिया गया और उनपर अत्याचार किए गए। बहुसंख्यक समुदाय ने अल्पसंख्यक आदिवासियों पर बहुत कहर ढाए हैं।

उन्होंने आगे कहा, दोनों पक्ष ''केवल अच्छे पड़ोसियों के रूप में शांति से रह सकते हैं, फिर कभी एक ही छत के नीचे नहीं रह सकते।'' इस दावे के साथ कुकी विधायकों ने प्रधानमंत्री से ''विधानसभा वाले एक अलग केंद्र शासित प्रदेश की उनकी मांग को पूरा करने के लिए बातचीत में तेजी लाने'' का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना ??है कि केवल इसी से हमारे लोगों में स्थायी शांति, सुरक्षा, न्याय और अपनेपन की भावना आएगी।''

जुलाई 2023 में, कुकी समुदाय से जुड़े इन 10 आदिवासी विधायकों ने हिंसक झड़पों के मद्देनजर केंद्र से अपने समुदाय के लिए एक अलग प्रशासन गठित करने का आग्रह किया था। वहीं मणिपुर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मणिपुर भारत माता के मुकुट को सुशोभित करने वाला रत्न है। यहां किसी भी प्रकार की हिंसा निंदनीय है। यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के साथ घोर अन्याय भी है। हमें मिलकर मणिपुर को शांति और विकास के पथ पर आगे ले जाना होगा।'

मेइती समुदाय के लोग इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि कुकी समुदाय आस-पास की पहाड़ियों पर रहता है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य में शांति पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता तथा इसे केवल बातचीत और एकता से ही हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'मणिपुर में अपार क्षमताएं हैं, लेकिन हिंसा हमारे सामाजिक ताने-बाने को कमज़ोर करती है। केवल शांति और सद्भाव ही राज्य को भारत के पूर्वी क्षेत्र के मुकुट के मणि के रूप में उसका उचित स्थान दिला सकता है।'

बहुत सारे राजनेता लोगों को लड़ाकर खुद फायदा उठाना जानते हैं, लेकिन हम उनमें नहीं हैं: नितिन गडकरी

नागपुर, एजेंसी।
इथेनॉल को लेकर विवाद के बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने विरोधियों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा, मेरा दिमाग की ही कीमत हर महीने 200 करोड़ की है। मेरे पास पैसे की कोई कमी नहीं है और मैं कभी नीचे नहीं गिर सकता हूं। उन्होंने कहा कि वह जो कुछ भी करना चाहते हैं वह किसानों के हित के लिए है। इसका कमाई से कोई लेना-देना नहीं है।

नागपुर में एग्रीकोज वेलफेयर सोसाइटी के एक कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उन्होंने कहा, आपको क्या लगता है कि ये सब मैं पैसे के लिए कर रहा हूं? मैं कोई दलाल नहीं हूं, ईमानदारी से कमाना जानता हूं। उन्होंने कहा, बहुत सारे राजनेता लोगों को लड़ाकर खुद फायदा उठाना जानते हैं, लेकिन हम उनमें नहीं हैं।

गडकरी ने कहा, मेरा भी घर-परिवार है। मैं कोई संत नहीं हूं। मुझे हमेशा लगता है कि विदर्भ में 10 हजार किसानों की आत्महत्या शर्म की बात है। जब तक कि हमारे किसान समृद्ध नहीं हो जाते, हम अपने प्रयास कम नहीं करेंगे। गडकरी ने अपने बेटे की कंपनी को लेकर कहा कि वह केवल आइडिया देने का काम करते हैं। उन्होंने कहा, मेरा बेटा इंपोर्ट-एक्सपोर्ट का बिजनेस करता है। उसने हाल ही में ईरान से 800 कंटेनर सेब ऑर्डर किए और यहां से 100 कंटेनर केले भेज दिए।

गडकरी ने कहा, मेरे बेट ने गोवा से 300 कंटेनर मछलियां सर्बिया को सप्लाई कीं। उन्होंने कहा, बेटे ने ऑस्ट्रेलिया में दूध के प्रोडक्ट की फैक्ट्री लगाई है। वह अब अबू धाबी और अन्य जगहों पर भी कंटेनर भेजता है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा आईटीसी के साथ मिलकर 26 चावल मिलें चलाता है। गडकरी ने कहा, मुझे पांच लाख टन चावल के आटे की जरूरत पड़ती है। इसलिए वह मिल चलाता है और मैं उससे आटा खरीद लेता हूं। उन्होंने कहा कि ये कुछ उदाहरण है जिससे पता चलता है कि बिजनेस में इंटरेस्ट रखने वाले लोग कृषि क्षेत्र में कैसे अवसर पैदा कर सकते हैं।

स्वामी रामभद्राचार्य के बयान पर मायावती ने जताया ऐतराज

लखनऊ , एजेंसी।
स्वामी रामभद्राचार्य के मनुस्मृति और बाबासाहेब अंबेडकर पर दिए गए बयान पर राजनीति गरमा गई है। इसे लेकर बसपा मुखिया मायावती ने कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने बिना नाम लिए हुए सलाह दी है कि भीमराव अम्बेडकर के भारतीय संविधान के निर्माण में रहे उनके अतुल्य योगदान के बारे में सही जानकारी नहीं है। इसलिए उनके बारे में कोई भी ग़लत बयानबाज़ी से बचे और चुप रहें तो यह उचित होगा।

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि आए दिन सुर्ख़ियों में बने रहने हेतु विवादित बयानबाजी करने वाले कुछ साधु-संतों को परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के भारतीय संविधान के निर्माण में रहे उनके अतुल्य योगदान के बारे में सही जानकारी नहीं होने के कारण, इनको इस बारे में कोई भी ग़लत बयानबाजी आदि करने की बजाय, यदि वे चुप रहें तो यह उचित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहेब के अनुयायी मनुस्मृति का विरोध क्यों करते हैं? उसे भी इनको अपनी जातिवादी द्वेष की भावना को त्याग कर ज़रूर समझना चाहिये। इसके साथ-साथ इन्हें यह भी मालूम होना चाहिये कि बाबा साहेब महान विद्वान व्यक्तित्व थे। इस मामले में कोई भी टीका-टिप्पणी करने वाले साधु-संत इनकी विद्वता के मामले में कुछ भी नहीं हैं। अतः इस बारे में भी कुछ कहने से पहले इनको ज़रूर बचना चाहिये, यही नेक सलाह है।

ज्ञात हो कि एक निजी चैनल के कार्यक्रम में तुलसी पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने अपने वायरल में कहा कि स्मृति देश का पहला संविधान है। उन्होंने यहां तक दावा किया कि मनु मनुस्मृति में ऐसी एक भी लाइन नहीं है जो कि भारतीय संविधान के खिलाफ हो। अंबेडकर साहब अगर संस्कृत जानते तो मनुस्मृति को जलाने की गलती नहीं करते। उनके इस बयान के बाद देश की राजनीति में उबाल आ गया।

तेजस्वी यादव ने दिखाया पूर्णिया मेडिकल कॉलेज की बदहाली का सच, पूछा सवाल- सुविधाएं क्यों नहीं?

पटना, एजेंसी।
राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार देर रात पूर्णिया के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बिहार सरकार पर स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के भ्रष्ट मंत्री और अधिकारी भ्रष्टाचार में कमीशन खाने के लिए हजारों करोड़ रुपए खर्च कर केवल बिल्डिंग बनाते हैं, लेकिन डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी, लैब टेक्निशियन, ड्रेसर और असिस्टेंट की नियुक्ति नहीं करते।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के औचक निरीक्षण का वीडियो शेयर किया। उन्होंने अस्पताल की बदहाली को लेकर बिहार सरकार से सवाल भी किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, कल देर रात्रि गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच), पूर्णिया का औचक निरीक्षण किया। वीडियो में 20 सालों की एनडीए सरकार की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था की एक छोटी सी बानगी देखिए। यह बदहाली किसी जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की नहीं, बल्कि तथाकथित मेडिकल कॉलेज की है। इसका आंखों देखा हाल जानिए और इस जुमलेबाज निकम्मी सरकार के अमंगलकारी स्वास्थ्य मंत्री को लानत भेजिए।

तेजस्वी यादव ने अस्पताल की बदहाल स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, यह मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल है, लेकिन यहां आईसीयू नहीं है। ट्रॉमा सेंटर चालू नहीं है। कार्डियोलॉजी यानि हृदय रोग विभाग है ही नहीं। एक बेड पर तीन-तीन मरीज लेटा रखे हैं। 15-20 दिन में भी मरीजों की बेडशीट नहीं बदली जाती। हड्डी रोग से संबंधित और विकलांग शल्य चिकित्सा से संबंधित मरीजों के लिए शौचालय दो फीट ऊंचा है। साफ-सफाई बिल्कुल भी नहीं है। जीएमसीएच, मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल है, लेकिन यहां नर्स के स्वीकृत 255 पदों में से केवल 55 नर्स ही कार्यरत है, वो भी तीन शिफ्ट में यानि एक बार में केवल 18 नर्स ही ड्यूटी पर रहती हैं। छुट्टी पर रहेंगी तो उससे भी कम।

तेजस्वी ने कहा, जीएमसीएच में 80 प्रतिशत चिकित्सकों के पद रिक्त हैं। जीएमसीएच में एक भी स्थायी ड्रेसर नहीं है। पूरे कॉलेज और हॉस्पिटल में केवल चार ओटी सहायक हैं। 23 विभाग में से अनेक विभाग बंद हैं। प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर नाम मात्र हैं। मेडिकल इंटर्न को 6 महीनों से सैलरी नहीं मिली है। सरकारी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, स्वास्थ्य उपकरण, स्वास्थ्य सेवा और सुविधा के अभाव में पूर्णिया के निजी अस्पतालों में प्रतिदिन 10,000 मरीज जाते हैं। एनडीए सरकार के भ्रष्ट मंत्री और अधिकारी भ्रष्टाचार में कमीशन खाने के लिए हजारों करोड़ रुपए खर्च कर केवल बिल्डिंग बनाते हैं, लेकिन डॉक्टर्स, स्वास्थ्य कर्मी, लैब टेक्निशियन, ड्रेसर, असिस्टेंट इत्यादि की नियुक्ति नहीं करते। कमीशन के लिए हजारों करोड़ के स्वास्थ्य उपकरण खरीदते हैं, लेकिन उन्हें चलाने के लिए टेक्निशियन की बहाली नहीं करते।

तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री मोदी की पूर्णिया यात्रा पर कहा कि उन्हें बिहार की अपनी 20 सालों और केंद्र की 11 वर्षों की डबल इंजन सरकार की बड़ी-बड़ी खामियां नहीं दिखेंगी? बिहार में 20 वर्षों की एनडीए सरकार के भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, गरीबी, एनडीए सरकार की विफलताओं, इलाज के नाम पर गरीबों से लूट, बदहाल शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था तथा डबल इंजन के डबल जंगलराज पर प्रवचन अवश्य देंगे। कल पूर्णिया के इस मेडिकल कॉलेज में जरूर जाइएगा और 2005 के बाद वाले मुख्यमंत्री को भी अवश्य लेकर जाइएगा, नहीं तो वो कहेंगे कि 2005 से पहले कुछ था जी?

ट्रक पीछे ले जाते समय टक्कर लगने से युवक घायल

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र में ट्रक को पीछे ले जाते समय युवक इसकी चपेट में आकर घायल हो गया। बुलंदशहर के डिबाई निवासी रामपाल सिंह रोजगार की तलाश में 26 अगश्त को ट्रोनिका सिटी आए थे। उनके पुत्र संदीप ने बताया कि शाम करीब साढ़े बजे वह राम पार्क कॉलोनी स्थित पीली कोठी के पास धर्म कांटे के समीप खड़े थे। इस दौरान ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन को बैक करते समय पिता को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पिता का बायां पैर क्षतिग्रश्त हो गया। राहगीरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घायल के परिजनों को सूचना देकर उपचार के लिए एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया। जिसके बाद परिजन घायल को दूसरे अस्पताल ले गये। घायल का उपचार जारी है। पीड़ति के पुत्र ने 11 सितंबर को मामले की शिकायत पुलिस से की। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

पार्टी में विवाद के बाद साथी ने व्यक्ति को मारा चाकू

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी के अंकुर विहार थानाक्षेत्र में पार्टी के दौरान हुए विवाद में साथी ने व्यक्ति की छाती में चाकू मारकर घायल कर दिया। नौ सितंबर की घटना में शनिवार को घायल की पत्नी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। अंकुर विहार थाना क्षेत्र की चमन विहार कॉलोनी निवासी अकरू नौ सितंबर शाम करीब साढ़े सात बजे अपने साथी अरमान उर्फ भोला के साथ घर पर पार्टी कर रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर अरमान ने अकरू की छाती में चाकू मार दिया। अकरू की पत्नी मसीना ने मामले की सूचना पुलिस को दी और घायल पति को अस्पताल में भर्ती कराया। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पशु पर फावड़े से ताबड़तोड़ वार किए

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के गांव अतरौली निवासी उमेश कश्यप ने बताया कि घेर में पशु बांध रखे हैं। गांव ईसापुर निवासी फैयाज खान ने फावड़े से उनके पशु पर ताबड़तोड़ वार कर घायल कर दिया। आसपास के लोगों ने शोर मचाया तो आरोपी फरार हो गए। उमेश ने इस संबंध में भोजपुर थाने में तहरीर दी है। वहीं, हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। सीओ अमित सक्सेना ने बताया कि फैयाज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

गाली के विरोध पर युवक का सिर फोड़ा

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के गांव अबूपुर में पुष्पेंद्र शर्मा परिवार सहित रहते हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार रात उनका पुत्र निखिल शर्मा मोबाइल पर बात करते हुए टहल रहा था। इसी बीच गांव निवासी दो युवक आए और निखिल से गाली-गलौज करने लगे। निखिल ने गाली देने का विरोध किया तो धारदार हथियार से हमला कर सिर फोड़ दिया। सीओ ने बताया कि तहरीर के आधार पर अंशित शर्मा और अनुज शर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है।

दो किलो गांजा के साथ बदमाश गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो किलो गांजा बरामद किया है। एसीपी मसूरी सर्किल ने बताया कि शनिवार रात को सूचना मिली कि एक बदमाश गांजा बेचने के लिए क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाकर एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में बदमाश ने अपना नाम फिरोज निवासी पठानान कॉलोनी बताया। पुलिस आरोपी के साथियों की तलाश कर रही।

युवक ने फंदे से लगाकर आत्महत्या की

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर कर न्यू मानवतापुरी कॉलोनी में युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या की। पुलिस ने अनुसार, कॉलोनी निवासी 22 वर्षीय सुमित कुमार का शव रविवार सुबह अपने कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने बताया कि सुमित काफी समय से तनाव में चल रहा था। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि मामला आत्महत्या कर लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट दर्ज आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट होगा।

जिलाबदर अपराधी गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी थाना पुलिस ने रविवार को जिला बदर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 23 मई को मुनादी करते हुए अपराधी को छह माह के लिए जिले की सीमा से बाहर किया था। बंथला चिरोड़ी मार्ग स्थित सिखरानी गांव के कट के पास से अंकित मावी निवासी गांव सिखरानी को गिरफ्तार किया गया है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि आरोपी को उत्तर प्रदेश गोंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत जिले की सीमा से बाहर करने के आदेश हुए थे। पुलिस ने 23 मई को नियमानुसार मुनादी कराते हुए अपराधी को जिले की सीमा से बाहर किया था। मगर कुछ दिन बाद ही वह फिर से गांव लौट आया। सूचना पर रविवार को उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

दुकानदार को गोली मारने वाला आरोपी भाई सहित गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी के लोनी थाना पुलिस ने रविवार को लेन देन के विवाद में दुकानदार को गोली मारने वाले आरोपी और उसके भाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आरोपियों के कब्जे से एक तमंचा और ब्लेड बरामद हुआ है। लोनी की प्रेम नगर कॉलोनी में परचुन की दुकान चलाने वाले आरिफ को पड़ोसी शाहरुख ने शुक्रवार रात गोली मार दी थी। गोली दाएं हाथ में लगी थी और आरिफ की हालत अब खतरे से बाहर है। लेन देन को लेकर हुए विवाद में आरिफ को बचाने आए दो किशोरों को शाहरुख के भाई आमिर ने ब्लेड मारकर घायल कर दिया था।

शराब ठेके और ग्रीन बेल्ट अतिक्रमण के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में रविवार को गौर ग्रीन विश्ता, वीउएस, और पत्रकार विहार के सैकड़ों निवासियों ने ग्रीन बेल्ट पर अवैध अतिक्रमण और शराब के ठेके के खिलाफ सड़क पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर लापरवाही और मिलीभगत का आरोप लगाते हुए दयानंद चौक पर सड़क जाम कर दी, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और लंबा जाम लग गया।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ग्रीन बेल्ट की न तो सफाई होती है और न ही रखरखाव, जबकि शराब ठेके के कारण क्षेत्र में गंदगी, बदबू, और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बढ़ गया है।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि ठेके के पास खुलेआम शराब पी जा रही है और अवैध कैंटीन चल रही है, जिससे परिवारों, खासकर महिलाओं और बच्चों को असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय समुदाय ने मांग की है कि शराब का ठेका तत्काल हटाया जाए और ग्रीन बेल्ट पर हुए अवैध कब्जे को समाप्त किया जाए।

विरोध के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने शराब की दुकान पर तोड़फोड़ की और उसका राश्ता अवरुद्ध कर दिया। अतिक्रमणकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की, लेकिन लोगों का कहना है कि जब तक उच्च अधिकारी उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई का आश्वासन नहीं देते, वे सड़क से नहीं हटेंगे।

पुलिस और प्रशासन हालात को काबू में करने की कोशिश में जुटे हैं, और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मसूरी में दलित महिला और बेटे पर दबंगों का हमला, चाकू से किए वार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

मसूरी थाना क्षेत्र से एक बेहद गंभीर और मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। 13 सितंबर की रात, मसौता गांव में एक दलित महिला और उसके बेटे पर गांव के दबंगों ने जानलेवा हमला किया।

पीड़िता गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में भर्ती है। रात करीब 8:15 बजे, बृजेश नाम का युवक जब मदर डेयरी जा रहा था, तभी राशते में उसे मोनू राजपूत नामक व्यक्ति ने जातिसूचक शब्द कहकर रोक लिया और मारपीट शुरू कर दी। जब बृजेश अपनी मां सुवीता देवी के साथ शिकायत लेकर मोनू के घर पहुँचा, तो मामला और भी भीषण रूप ले लिया। आरोप है कि मोनू, उसका भाई सुधीर, बब्लू और अन्य साथियों ने माँ-बेटे को कमरे में बंद कर दिया। उन्होंने सुवीता देवी के कपड़े फाड़े, गाली-गलौज की और चाकू से कई बार वार किया।

बीच-बचाव करने आईं संगीता और अंजिल पर भी हमला किया गया। दबंग तमंचा और धारदार हथियार लहराते हुए खुलेआम जान से मारने की धमकी देते रहे। सूचना मिलने पर मसूरी पुलिस मौके पर पहुँची और पीड़ितों को थाने ले गई। मेडिकल परीक्षण के बाद मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है और जांच जारी है।

पुलिस ने मुठभेड़ में कुख्यात बदमाश को किया गिरफ्तार, साथी फरार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में बीती रात कनावनी पुलिया के पास पुलिस चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में एक कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान शहबाज उर्फ पोली के रूप में हुई, जो दिल्ली के नंद नगरी का निवासी है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया।

पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उन्होंने भागने की कोशिश की। इस दौरान शहबाज ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई और उसे दबोच लिया।

उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें छापेमारी कर रही हैं। पूछताछ में शहबाज ने खुलासा किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली-एनसीआर में राहगीरों से मोबाइल फोन और चेन छीनने की वारदातों को अंजाम देता था।

लूट का माल दिल्ली में बेचकर वह मौज-मश्ती करता था। पुलिस के मुताबिक, शहबाज के खिलाफ लूट, स्नैचिंग, चोरी और आर्म्स एक्ट के तहत करीब दो दर्जन मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

वर्तमान में घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, और पुलिस उसके फरार साथी की तलाश में जुटी है। मामले की गहन जांच जारी है।

एस.डी.एम. को हटाने की मांग को लेकर तीसरे दिन भी लेखपालों का विरोध जारी

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

तहसील में लेखपालों का धरना तीसरे दिन भी जारी है, जिसमें एसडीएम नितिन कुमार को हटाने और तीन लेखपालों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। लेखपाल संघ का आरोप है कि एसडीएम ने बिना वजह लेखपाल संघ के पदाधिकारियों को निलंबित किया है।

लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष सत्यवीर सिंह ने बताया कि अगर एसडीएम का तबादला नहीं होता है, तो सभी लेखपाल जिले भर में हड़ताल करने को मजबूर होंगे। लेखपालों का कहना है कि एसडीएम ने उन्हें फार्मा रजिस्ट्री और अंश निर्धारण का कार्य करने से इनकार करने, ग्रुप में अभद्र टिप्पणी करने और अन्य लोगों को हड़ताल के लिए प्रेरित करने के आरोप में निलंबित किया है, जो गलत है।

प्रेस संगठन की बैठक सम्पन्न तीन सदस्य बने

✷ **एनसीआर टुडे. चांदपुर** ✷

पत्रकार प्रेस महासंघ की एक महत्वपूर्ण बैठक चांदपुर-नूरपुर मार्ग स्थित एक रेस्टोरेंट में संपन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विकास शर्मा ने की, जबकि संचालन वरिष्ठ पत्रकार गौरव त्यागी ने किया।

संगठन विश्तार के तहत बैठक में तीन नए पत्रकारों राधा रानी, अमित चौधरी और मोहित जेकर को संगठन की सदस्यता दिलाई गई।

बैठक में पत्रकारों ने संगठन की मजबूती, मीडिया से जुड़े वर्तमान मुद्दों और पत्रकारों पर हो रहे झूठे मुकदमों को लेकर गहन चर्चा की। सभी सदस्यों ने एकमत से निर्णय लिया कि अब संगठन की बैठक प्रतिमाह नियमित रूप से आयोजित की जाएगी।

साथ ही, यह भी संकल्प लिया गया कि पत्रकारों पर होने वाले किसी भी अन्याय या अत्याचार के खिलाफ संगठन एकजुट होकर संघर्ष करेगा।

पुलिस मुठभेड़ के बाद अपहृत पत्थर व्यापारी का बेटा सकुशल बरामद

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद/नोएडा** ✷

गाजियाबाद में पत्थर व्यापारी के बेटे का अपहरण कर 4 करोड़ की फिरौती मांगने के मामले बदमाशों दनकौर, जेवर, ईकोटेक-1 और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर लिया है।

पुलिस और बदमाशो के बीच हुई मुठभेड़ में दो बदमाश गोली की लगने से घायल हुए, जबकि तीन को पुलिस ने कॉम्बिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से घायल मोहित गुप्ता और आलोक यादव को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि निमय शर्मा, श्याम सुन्दर और सुमित कुमार को पुलिस कॉम्बिंग में गिरफ्तार किया गया है।

एसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान के मुताबिक बदमाशों ने 9 सितंबर को गाजियाबाद के पत्थर कारोबारी मनीष गुप्ता के बेटे शशांक के बेटे का अपहरण किया था और 4 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। अपहृत लड़के की सकुशल बरामदगी के लिए कई पुलिस टीमों का गठन किया गया। आज जब पुलिस टीम ने जेवर के रामनेर पुल के पास जेवर एयरपोर्ट रोड पर अपहृणकर्ताओं की पुलिस टीमों के ने घेराबन्दी की की तो बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर कर भागने का प्रयास किया।

पुलिस की जवाबी कार्रवाही में दो बदमाश मोहित गुप्ता और आलोक यादव गोली लगने से घायल हो गये जबकि निमय शर्मा, श्याम सुन्दर और सुमित कुमार को पुलिस कॉम्बिंग में गिरफ्तार किया गया है। बदमाशो के कब्जे से अपहृत शशांक को सकुशल बरामद कर लिया।

एसपी ने बताया कि पत्थर कारोबारी मनीष गुप्ता का बेटा शशांक अपने दादा के साथ बलेनो कार से मोबाइल फोन की बैटरी ठीक कराने नोएडा आया था।

शशांक अपने दादा को इंदिरापुरम में छोड़कर नोएडा जा रहा था, लेकिन वह नोएडा से वापस नहीं लौटा। बुधवार को शशांक की बलेनो कार दनकौर कोतवाली क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे लावारिस हालत में मिली। अपने पोते को किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बहला फुसलाकर ले जाने तथा अपहृत लड़के की रिपोर्ट थाना दनकौर पर दर्ज कराई थी।

अधिकारियों की उपेक्षा के चलते रेलवे फाटक अंडरपास निर्माण अधर में लटका

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

रेलवे विभाग के अफसरों की लेट लतीफी के चलते कालाखेड़ी मार्ग पर स्थित रेलवे फाटक संख्या 470 बी पर अंडरपास निर्माण का कार्य अधर में लटका हुआ है। फाटक की दोनों साइडों में 20 फुट गहरी खुदाई होने और पानी भर जाने के कारण संक्रामक बीमारी फैलने और किसी भी वक्त कोई भी अप्रिय घटना होने की संभावना है। जिसके चलते रेलवे विभाग के खिलाफ शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

प्राप्त विवरण के अनुसार नगीना क्षेत्र के कालाखेड़ी मार्ग पर स्थित फाटक संख्या 470 बी पर अंडरपास और नगीना कोतवाली मार्ग पर फाटक संख्या 471 बी पर फ्लाईओवर बनाने की मांग पिछले काफी वर्षों से की जा रही थी। केंद्रीय मंत्री रेलवे अश्वनी वैष्णव के जनपद में भ्रमण के समय भी फाटक संख्या 471 बी पर फ्लाईओवर बनाने और फाटक संख्या 470 बी पर अंडरपास बनाने की मांग की गयी थी। जिस पर केंद्रीय मंत्री ने बहुत जल्द ये कार्य कराने का वादा किया था। उधर कुछ समय बाद जैसे ही रेलवे विभाग से अंडरपास बनाने की अधिसूचना जारी की गयी।

उससे जाम की समस्या से जूझ रहे लोगों में खुशी की लहर दौड़ गयी। लेकिन शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को ये मालूम नहीं था। कि ये 20 फरवरी 2025 से शुरू होने वाला अंडरपास उनके लिये जीका जंजाल बन जायेगा। उधर नगीना की आज़ाद कालोनी लाइनपार और काला खेड़ी के तमाम लोगों ने रेलवे विभाग से लेकर स्थानीय प्रशासन को कई बार लिखित और मौखिक ज्ञापन देकर अवगत कराया।

किंतु अंडरपास बनाने वाले ठेकेदार जो लखनऊ का बताया जाता है। उसके कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। उधर ठेकेदार की इस हरकत से केंद्र सरकार की छवि तो धूमिल हो ही रही है साथ ही केंद्रीय मंत्री रेलवे अश्वनी वैष्णव के रेलवे विभाग में विकास के दावों की भी पोल खुल रही हैं। वही विभाग के कर्मचारियों ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि ठेकेदार से कुछ अधिकारी मोटा कमीशन मांग रहे थे।

जिस कारण वह अंडरपास का कार्य बीच में ही छोड़कर भाग गया है। वही पिछले लगभग 06 माह से अधर में लटके कालाखेड़ी 470 बी पर बनने वाले अंडरपास को लेकर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में आक्रोश बढ़ता देख अधिकारियो तहेकेदारो का कहना है कि कालाखेड़ी फाटक संख्या 470 बी पर जल्द काम शुरू हो जायेगा

श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा से हुआ, नगर में भक्तिमय उल्लास का माहौल

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷

नगर में रविवार को धार्मिक उल्लास का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। जब श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। प्रातः भागवत स्थल से प्रारंभ हुई यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई रामलीला मैदान तक पहुंची। मार्गभर भक्तों की भीड़ जय-जयकार और भजन-कीर्तन में डूबी रही।

महिलाएं सिर पर पवित्र कलश धारण कर चल रही थीं। राधे-राधे के जयकारों और मधुर कीर्तन से वातावरण गूंज उठा।

यात्रा में मुख्य यजमान वीरेंद्र सिंह और सह-यजमान अरविंद लम्बा भी भागवत को सिर पर लिए शामिल हुए। वहीं, व्यास पीठ से जुड़ी रथ यात्रा में सजीव झांकी के रूप में राधा-कृष्ण की अद्भुत झलक ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा स्थल पर पहुंचते ही माहौल और अधिक भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने व्यास पीठ की आरती कर आशीर्वाद लिया।

आयोजन समिति ने बताया कि श्रीमद्भागवत महापुराण को 'पुराणों का रसराज' कहा जाता है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की बाल एवं युवा लीलाओं का मनोहर वर्णन मिलता है, जो भक्ति, ज्ञान और वैराग्य का अद्वितीय संगम है।

जामा मस्जिद में जलसा सीरतूननबी कार्यक्रम आयोजित

✷ **एनसीआर टुडे. अफजलगढ़** ✷

नगर में स्थित जामा मस्जिद में शुक्रवार को आखिरी दिन जलसा सीरतून्नबी का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि नबीरा ए शेखूल इस्लाम हज़रत मौलाना सय्यद हबीबुल्लाह साहब मदनी साहब जादे ए मोहतरम हज़रत मौलाना सय्यद अरशद मदनी।

सदर जमीयत उलेमा ए हिन्द ने सभी मुस्लिम से अपील की। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक मुफ्ती सईदुर्रहमान ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का शुक्रिया अदा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता व संचालन मुफ्ती सईदुर्रहमान ने किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक शेख सुलेमान, पूर्व चेयरपर्सन पति सलीम अंसारी एडवोकेट, पूर्व चेयरमैन नफीस कुरैशी, मेम्बर कलवा कुरैशी, पूर्व चेयरपर्सन पति शेख इरशाद हुसैन, मौलाना शफीक अहमद क़ासमी,वसीम अंसारी, जमशेद विकार, मुफ्ती रियाज़ क़ासमी, सभासद मुकीब खां सूरी, मुफ्ती नईम अहमद, सभासद कादिर अंसारी, नसीम अहमद, मुफ्ती अकरम, सभासद रिजवान हसन, मौलाना खुर्शीद, डॉ कलीम अहमद, मौलाना मुख्तियार अहमद, मुफ्ती इरफान क़ासमी, मौलाना अकरम, सभासद रियासत हुसैन, मास्टर समीम अहमद, मौलाना गुफरान अहमद, रिजवान अंसारी, नदीम हानी, दिलशाद कुरैशी, सभासद शाहनवाज सिद्दीकी, सभासद शेख इमरोज़, पूर्व सभासद नवाब खान, शेख इस्लामुद्दीन नेता जी, नजमुल हसन, मुफ्ती जहीर अहमद, मुफ्ती जमशीद अंसारी, मुफ्ती अकरम आदि उपस्थित रहे।

कैब चालक की जमानत याचिका खारिज

एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा। अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने उबर कैब के जरिए परिवार को बंधक बनाने और फर्जी आधार कार्ड के इश्तेमाल के मामले में आरोपी नाजिम की जमानत याचिका खारिज कर दी। यह मामला नोएडा के फेज-3 थाने का है। अभियोजन के अनुसार 14 अगश्त 2025 को पीड़ित संजय मोहन ने आम्रपाली सेक्टर-119 से परिवार संग दिल्ली के कनॉट प्लेस के लिए उबर कैब बुक की थी। बुकिंग में चालक का नाम सोनू दर्शाया गया था। कैब चालक ने अचानक गलत राश्ता पकड़ लिया और विरोध करने पर भी गाड़ी नहीं रोकी। परिवार की चीख-पुकार सुनकर लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ, लेकिन आरोपी गाड़ी को तेज गति से भगाता रहा।

आपका सुझाव बनेगा बदलाव की ताकत : 'विकसित उत्तर प्रदेश के लिए आमंत्रित आपके विचार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

प्रदेश सरकार ने 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' के विज़न दश्तावेज़ के निर्माण के लिए जनता से सीधे सुझाव आमंत्रित किए हैं। इस पहल का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को आने वाले 25 वर्षों में हर क्षेत्र में सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में विकसित करना है।

सरकार का मानना है कि जनता की राय और सहभागिता से ही नीतियों का निर्माण अधिक सशक्त और प्रभावी हो सकता है। इसी क्रम में पोर्टल पर 'सुझाव फॉर्म' उपलब्ध कराया गया है। नागरिक अपने मोबाइल से कोड स्कैन कर भी सीधे पोर्टल पर जाकर अपना सुझाव दर्ज कर सकते हैं।

सुझाव देने की प्रक्रिया : पोर्टल पर दिए गए 'सुझाव फॉर्म' के बटन पर क्लिक करें। अपना नाम, पता और मोबाइल नंबर दर्ज करें।एक श्रेणी चुनकर अपना सुझाव लिखें। पूर्ण जानकारी भरने के बाद फॉर्म सबमिट करें।

सुझावों का महत्व :प्राप्त सुझावों की समीक्षा कर नीतियों का निर्माण होगा। विकसित उत्तर प्रदेश 2047' का खाका तैयार किया जाएगा। जनता की राय को नीति निर्धारण में प्राथमिकता दी जाएगी। बेहतर सुझाव देने वालों को विशेष सम्मानित भी किया जाएगा। "आपकी राय ही उत्तर प्रदेश की प्रगति का आधार बनेगी। जनता के सुझाव से ही भविष्य की दिशा तय होगी।"

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विज़न से प्रेरित यह अभियान उत्तर प्रदेश को नई ऊँचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कालीदह पोखर पर कब्जा, नींद में सो रहा नगर निगम

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

भूमाफिया कालीदह पोखर पर रात में मिट्टी भराव कर अवैध कब्जा कर रहे हैं, लेकिन नगर निगम अधिकारियों को इसकी खबर तक नहीं लगी।

अफसरों को इसकी जानकारी तब हुई जब क्षेत्रीय पार्षद ने इसकी शिकायत सोमवार को नगर आयुक्त से की। कालातीत नगर पालिका परिषद से लेकर नगर निगम तक संपत्ति के मामले में अलीगढ़ का प्रदेश में पहला स्थान था, लेकिन अपनों के आशीर्वाद के चलते पोखरों पर कब्जे होते चले गए और आज पोखरों में मोहल्ले एवं कॉलोनियां बनी खड़ी हैं। इसके कारण नगर निगम से जहां पोखरों की जमीन निकल गई, वहीं जलभराव की समस्या भी उत्पन्न हो गई। अवैध कब्जों के चलते लगातार सिकुड़ती जा रही पोखर सुप्रीम कोर्ट के आदेश हैं कि महानगरों में जिस स्थान पर जलजमाव होता है।

प्रदर्शन करने वालों पर मुकद्दमें को लेकर किया आमरण

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

अपनी ही सरकार मे जनता के लिए ए टू जेड कूडे के पहाड़ जैसे प्लांट निश्तारण की ओर ध्यानाकर्षित कराए जाने हेतु अनुमति लेकर किए गए धरने पर प्रशासन एवं पुलिस द्वारा अपनी असफलता छिपाने के लिए फर्जी मुकदमा लगा कर जेल भेजने हेतु आमरण अनशन शुरू किया गया है।

गौरव सारस्वत राष्ट्रीय हिन्दू युवा वाहिनी संगठन मे प्रदेश अध्यक्ष के दायित्व प्र हो जो कि भाजपा समर्पित रहता है, विगत 10-अगश्त को क्षेत्रीय जनता के साथ कार्यालय एवम घर के सामने बने ए टू जेड प्लांट के कूडे कचरे के पहाड़ों को मथुरा रोड से स्थानांतरण के लिए शांतिप्रिय आंदोलन के साथ ज्ञापन देने के लिए कार्यक्रम नियत था। जिसकी सूचना प्रशासन के सभी उच्च अधिकारियों को लिखित एवम सरकारी नंबरो पर पहले ही दी थी। धरना शान्ति प्रिय चल रहा था बीच में कुछ लोगों नें उल्टे सीधे नारे लगाए जो अभी तक इस मुक़दमे मे बाहर है जबकि हमने सरकार के खिलाफ नारे बाजी करने वालों का विरोध किया।

संपादकीय

देश में 'डीप स्टेट' के तख्तापलट अभियान की पुनः दस्तक

समूची दुनिया की सरकारों को अपनी मनमर्जी से चलाने का अमेरिकी षडयंत्र लम्बे समय से चल रहा है। विभिन्न देशों की रिपोर्ट्स में इन सबके लिए 'डीप स्टेट' को उत्तरदायी माना गया है। भारत सहित सीमावर्ती देश अफगानस्तान, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और नेपाल के अलावा अब फ्रांस में भी राष्ट्रविरोधी गतिविधियां तेज हो गईं हैं। भारत को छोडकर अन्य सीमावर्ती देशों में तख्तापलट हो चुका है। इतिहास गवाह है कि मानवीय संवेदनाओं, आधारभूत आवश्यकताओं और मौलिक अधिकारों की आड में मीरजाफरों को माध्यम बनाकर अमेरिका ने अपने सिपाहसालारों के हाथों में सत्ता सौंपने का हमेशा ही प्रयास किया है। आधुनिक तकनीक से जुडी पीढी की तेज गति को शक्तिपुंज बनाकर उसे नकारात्मक दिशा देने का काम अमेरिका सहित कुछ अन्य नकारात्मक देशों निरंतर कर रहे हैं।

इनके संगठित प्रयासों ने अपने विश्व षडयंत्र को साइबर के माध्यम से तूफान बना दिया है। विगत दिनों 'जेन जी' शब्द को सत्ता के विरुद्ध प्रयास करने वालों के लिए सोशल मीडिया पर जमकर प्रयुक्त किया गया। इस शब्द का जनक भी अमेरिका ही रहा। वहां के जन-सांख्यिकीय विशेषज्ञों ने सन् 1901 से 1927 के मध्य जन्म लेने वालों को ग्रेटेस्ट जेनरेशन, सन 1928 से 1945 के मध्य जन्म लेने वालों को साइलेंट जेनरेशन, सन 1946 से 1964 के मध्य जन्म लेने वालों को बेबी बूमर्स, सन 1965 से 1980 के मध्य जन्म लेने वालों को जेन एक्स, सन 1980 से 1996 के मध्य जन्म लेने वालों को जेन वाई, सन 1997 से 2012 के मध्य जन्म लेने वालों को जेन जी, सन् 2013 से 2024 के मध्य जन्म लेने वालों को जेन अल्फा तथा सन 2025 से 2039 के मध्य जन्म लेने वालों को जेन बीटा नाम दिया है। इसमें 'जेन जी' तकनीक, इंटरनेट और सोशल मीडिया से अत्यधिक जुड़ा हुआ है जो अब तक 30 प्रतिशत वर्कफोर्स के रूप में स्थापित हो चुका है।

इतिहास गवाह है कि अमेरिका ने हमेशा ही दुनिया के अनेक देशों को अस्थिर करके वहां पर अपने खास सिपाहसालारों को सत्ता पर बैठाकर स्वयं के हित साधे है। सन् 1994 अफगानश्तान के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित कंधार शहर में सन् 1994 में तालिबान नामक एक कट्टपंथी समूह अशितत्व में आया। उसने वहां की सरकार पर हमले करना शुरू कर दिये। अमेरिका ने इन आतंकी हमलों के विरुद्ध अफगानश्तान की सरकार को सहयोग किया किन्तु बाद में अचानक सहयोग बंद करके देश को अस्थिर कर दिया। परिणामस्वरूप तालिबान ने अगश्त 2021 को अफगानश्तान पर नियंत्रण कर लिया है। इसी साल 2021 म्यांमार में आंग सान सू की सरकार का तख्तापलट करवा दिया गया। वहां के प्रधानमंत्री आंग सान सू को जेल में डाल दिया गया। म्यांमार की कमान सेना में बैठे अपनी अपनी कठपुतलियों के हाथ सौंप दी गई। गृहयुद्ध की स्थिति निर्मित हो गई। लाखों लोगों ने बांग्लादेश और भारत में घुसपैठ की। सन् 2022 में श्रीलंका के जेन जी को प्रेरित करके ईंधन और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कमी को मुद्दा बनाकर प्रदर्शन प्रारम्भ करवाने के बाद उसे हिंसक आक्रमण में परिवर्तित कर दिया।

प्रायोजित भीड ने राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री कार्यालय पर हमला कर दिये और तख्तापलट की स्थिति निर्मित कर दी। सन् 2023 में पाकिश्तान के तोशखान मामले में इमरान खान की गिरफ्तारी हेतु पृष्ठभूमि तैयार करने के बाद उनके समर्थकों से सरकारी इमारतें जलवाई गईं। देश को अस्थिरता की स्थिति में पहुंचा दिया गया फिर बैठा दिया गया अमेरिका का सहेता सत्ता के सिंहासन पर। सन् 2024 में बांग्लादेशी सरकार की नौकरी कोटा नीति के विरोध में छात्रों को पहले प्रदर्शनकारी बनाया और फिर उन्हें हिंसा के राश्ते पर बढाते हुए आक्रमणकारी बना दिया गया। नतीजा सामने है कि अमेरिका का चाटुकार मुहम्मद यूनुस सत्ता पर काबिज हो गया। सन् 2025 में नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाकर जेन जी के माध्यम से तख्तापलट कराया गया। यहां भी आक्रमणकारियों ने सरकारी इमारतों सहित निजी भवनों, वाहनों आदि को आग के हवाले किया गया।

इसी तरह फ्रांस में फ्रांस्वा बायरू सरकार के वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 43.8 मिलियन फ्रैंक की कटौती, घाटे में कमी, दो राष्ट्रीय अवकाश हटाने, पेंशन फ्रीज़ करने और स्वास्थ्य सेवाओं में 5 बिलियन फ्रैंक की कटौती का प्रश्ताव था, इसी को मुद्दा बनाकर विरोध शुरू किया गया जिसे हिंसक रूप में परिवर्तित कर दिया गया। आगजनी, तोडफोड सहित व्यापक आक्रामकता सामने आई और हो गया तख्तापलट का लक्ष्य भेदन। भारत तो हमेशा से ही अमेरिका के निशाने पर रहा है। उसने पहले देश को आन्दोलनों के नाम पर अस्थिर करने की कोशिशें की गई।

शाहीनबाग से लेकर किसान आन्दोलन तक के हथियार आजमाये गये। समय-समय पर जातिगत तनाव, सम्प्रदायगत संघर्ष, भाषागत विभाजन, आरक्षणगत मांगों जैसे अनेक प्रयोग किये गये। इन सभी में अमेरिका से संचालित 'डीप स्टेट' की उपस्थित के प्रमाण मिलते रहे किन्तु सरकार विरोधी खेमों ने हमेशा ही सत्ता की असफलता बताकर वाश्तविकता को छुपाने का काम किया। भारत में तख्तापलट की कोशिशें करने में जी-जान से जुटा 'डीप स्टेट' एक बार फिर अपने चांदी के जूते से देश के मीरजाफरों को सक्रिय कर उन्हें नये मुद्दे देने में जुटा है।

इन राष्ट्रविरोधी खेमों ने देश को अस्थिर करने हेतु एक बार फिर यात्राओं, वक्तव्यों, हरकतों से नये विवादों को जन्म देना शुरू कर दिया है ताकि अस्थिरता का साम्राज्य स्थापित हो सके। इन स्थितियों को देश में 'डीप स्टेट' के तख्तापलट अभियान की पुनः दश्तक के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है। ऐसे में आम नागरिकों को स्वःविवेक से समीक्षात्मक तथ्यों पर राय स्थापित करना होगी तभी विश्व की महाशक्ति बनने की दिशा में बढ रहे भारत को अपना अभीष्ठ मिल सका अन्यथा विदेशी षडयंत्र के देशी गुलाम अपना मंसूबा पूरा करने में सफल हो जायेंगे। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नये मुद्दे के साथ फिर मुलाकात होगी।

अनियंत्रित इस्राईल : विश्व शांति के लिए ख़तरा

तनवीर जाफ़री

गत 9 सितंबर को दोपहर बाद इस्राईल के 15 फ़ाइटर जेट्स और 10 से अधिक म्यूनिशन ने जिसमें स्टैंड-ऑफ़ मिसाइलें और स्टील्थ तकनीक शामिल थी, ने इस्राईल से 1800 किलोमीटर की उड़ान भरकर क़तर की राजधानी दोहा के कटारा और वेस्ट बे लैगून इलाक़ों में हमले करके उन सभी इमारतों को उड़ा दिया जहां हमास के कई शीर्ष नेता या तो रहा करते थे या उनके कार्यालय थे।

इस हमले में 40 से ज़्यादा लोग मारे गए। हमास ने दावा किया कि इस्राईली हमले में उनकी मुख्य वार्ताकार टीम बच गई, लेकिन पांच सदस्य, जिसमें ख़लील अल-हय्या का बेटा और एक क़तरी सुरक्षा अधिकारी शामिल था, मारे गए। क़तर में हुआ यह हमला मध्य पूर्व में तनाव को और बढ़ाने वाला साबित हो सकता है।

इस्राईल के इस क़दम को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए बड़ा ख़तरा माना जा रहा है। यह पहला अवसर है जबकि इस्राईल ने अपने लक्ष्य को भेदने की ग़रज़ से क़तर में हमला किया है। इस हमले के तुरंत बाद क़तर ने अपने हवाई क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी। हालांकि, क़तर एयरवेज की उड़ानें सामान्य रूप से जारी रहीं। क़तर के प्रधानमंत्री शेख़ मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी ने कहा कि यह हमला ग़ज़ा में युद्ध विराम की मध्यस्थता के लिए क़तर के प्रयासों को पटरी से उतार सकता है।

क़तर ने इस हमले को 'कायराना' और 'अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों का घोर उल्लंघन' क़रार दिया। क़तर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजेद अल-अंसारी ने इस हमले को क़तर की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए ख़तरा बताया।

उधर इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इस्राईल सुरक्षा बलों ने इस हमले की पूरी ज़िम्मेदारी लेते हुये कहा कि यह हमला सटीक हथियारों से और पुख़्ता ख़ुफ़िया जानकारी के आधार पर किया गया, ताकि नागरिकों को नुक़्सान कम हो। इस्राईल के अनुसार हमास के नेता, जिन्हें दोहा में निशाना बनाया गया वही 7 अक्टूबर 2023 के हमले के लिए ज़िम्मेदार थे और ग़ज़ा में युद्ध को संचालित कर रहे थे।

अमेरिका में इस्राईली राजदूत ने यह भी कहा कि अगर इस हमले में हमास के कुछ नेता बच गए हैं तो अगले हमले में उन्हें भी निशाना बनाया जाएगा। इस क़दम को इस्राईल की आक्रामक रणनीति के उस हिस्से की शक्ल में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य हमास को पूरी तरह समाप्त करना है, चाहे वह किसी भी देश में क्यों न हो। परन्तु हमास नेताओं को लक्षित कर क़तर पर किये गये इस्राईली हमले को एक अभूतपूर्व क़दम के रूप में इसलिये देखा जा रहा है क्योंकि क़तर अमेरिका का प्रमुख सहयोगी और ग़ज़ा युद्धविराम वार्ता का मध्यस्थ है।

क़तर में ही अमेरिका का अल-उदईद एयरबेस भी है जहां क़रीब 10, 000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। यह एयरबेस इस्राईल द्वारा किये गये हमले की जगह से केवल 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

इस्राईल की इस आक्रामक कार्रवाई ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय श्तर पर तनाव को और बढ़ा दिया है, और ग़ज़ा में शांति प्रक्रिया को और जटिल कर दिया है। इस हमले ने मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रभाव को भी कमज़ोर किया है और तुर्की जैसे अन्य देशों के लिए भी ख़तरे की आशंका पैदा की है

इस्राईल की इस आक्रामक व उकसाने वाली कार्रवाई की विश्व के अनेक देशों ने निंदा की है। क़तर सरकार ने हमले को 'आपराधिक हमला' क़रार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय क़ानून तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर का स्पष्ट उल्लंघन बताया है। क़तर ने अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी उपायों का समर्थन किया।

जबकि जॉर्डन के किंगअब्दुल्ला द्वितीय ने फ़लिश्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाक़ात के दौरान क़तर में हुये इस्राईली हमले की निंदा की। उन्होंने इज़राइल के ग़ज़ा पर नियंत्रण बढ़ाने और वेस्ट बैंक में बश्तियों के विश्तार को भी ख़ारिज किया साथ ही ग़ज़ा में युद्धविराम, मानवीय सहायता और द्वि -राष्ट्र समाधान पर ज़ोर दिया।

वहीं संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख़ अब्दुल्ला बिन ज़ायद ने मिस्र के विदेश मंत्री से मुलाक़ात में इस हमले को अंतरराष्ट्रीय क़ानून तथा यूएन चार्टर का उल्लंघन क़रार दिया। उन्होंने वैश्विक श्तर पर इस्राईल की 'आक्रामकताओं' को रोकने की अपील भी की।

इसी तरह मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फ़तह अल-सीसी ने कुवैत के अमीर से फ़ोन पर हुई बातचीत में क़तर के प्रति 'पूर्ण एकजुटता' व्यक्त करते हुये इस हमले को क़तर की संप्रभुता पर अस्वीकार्य अतिक्रमण बताया और इसे अंतरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन क़रार दिया। जबकि कुवैत के अमीर, शेख़ मिशाल अल-अहमद अल-जाबर अल-सबाह ने भी हमले को संप्रभुता पर अतिक्रमण बताया और अंतरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन क़रार दिया।

ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने इस हमले को 'आतंकवादी आक्रामकता' बताते हुये क़तर के प्रति एकजुटता व्यक्त की और इज़राइल को क्षेत्रीय तथा वैश्विक शांति के लिए 'तत्काल ख़तरा' बताया। ट्यूनीशिया के विदेश मंत्रालय ने भी हमले को 'कुटिल और दुष्ट हमला' क़रार देते हुये क़तर के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त की और अरब सुरक्षा को इस्राईल के ख़तरों से बचाने पर ज़ोर दिया। दुनिया के कई देशों ने इस हमले को लेकर सुरक्षा परिषद् की आपात बैठक बुलाने की बात भी की।

अभी क़तर के हमले को लेकर दुनिया के अनेक देश अपनी तीखी प्रतिक्रिया दे ही रहे थे कि इसी बीच नेतन्याहू ने यह घोषणा भी कर दी कि ग़ज़ा के 40 प्रतिशत हिस्से पर इस्राईली सुरक्षा बालों का नियंत्रण हो चुका है।

साथ ही इस्राईली सुरक्षा बालों की ओर से ग़ज़ा में बचे शेष लोगों से भी ग़ज़ा छोड़ने को कहा गया है। और इसी के अगले दिन यानी 11 सितंबर को इस्राईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बार फिर फ़लिश्तीनी राज्य के अशितत्व को मानने से ही स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया। उन्होंने वेस्ट बैंक के मा'अले अदुमिम निपटान में एक समारोह के दौरान कहा कि 'फ़लिश्तीनी राज्य नहीं बनेगा' और 'यह जगह हमारी है।' यह बयान उस समय दिया गया जब वे एक विवादास्पद निपटान विश्तार समझौते पर हश्ताक्षर कर रहे थे, जो फ़लिश्तीनी क्षेत्र को विभाजित करने का प्रयास माना जा रहा है। दक्षिणपंथी नेतन्याहू पहले भी द्वि राष्ट्र का विरोध करते रहे हैं।

उनका यह ताज़ा बयान भी फ़लिश्तीनी राज्य की संभावना को नष्ट करने का प्रयास माना जा रहा है। नेतन्याहू उस फ़लिश्तीनी राज्य के अशितत्व को मानने से इंकार कर रहे हैं जिसने जर्मन से हिटलर द्वारा निष्कासित इन्हीं यहूदियों को मानवता के नाते अपनी धरती पर पनाह दी। अभी पिछले दिनों फ़लिश्तीन को राज्य का दर्जा देने के पक्ष में संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत सहित 142 देशों द्वारा एक बार फिर मतदान किया गया।

फ़लिश्तीन के समर्थन में आये इस प्रश्ताव में इस्राईल द्वारा की जा रही हिंसा की निंदा की गयी साथ ही ग़ज़ा में इस्राईली बश्ती बसाने की योजना को भी समाप्त करने की मांग की गई है। अमेरिका व इस्राईल सहित केवल 10 देशों ने इस प्रश्ताव का विरोध किया जबकि शेष दुनिया फ़लिश्तीन के साथ खड़ी दिखाई दी। परन्तु अतिवादी सोच के नेतन्याहू पूरी दुनिया को ठेंगा दिखाने की ठाने हुये हैं।

कहना ग़लत नहीं होगा कि मानवता के दुश्मन व अंतर्राष्ट्रीय नियमों की धज्जियाँ उड़ाने वाले दक्षिणपंथी नेतन्याहू फ़लिश्तीन में अपना जंगल राज स्थापित करना चाहते हैं। मानवता की रक्षा के लिये ऐसे कुत्सित इस्राईली प्रयासों को पूरे विश्व को मिलकर रोकना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर विशेष : आधुनिक तकनीक एवं मानवीय करुणा है लोकतंत्र की बुनियाद

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र ने 15 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में नामित किया है ताकि दुनिया भर में लोकतंत्र और उसके मूल सिद्धांतों का जश्न मनाया जा सके।

विश्व समुदाय ने पहली बार 2008 में अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाना नए या पुनर्स्थापित लोकतंत्रों के पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की 20वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वीकार किया, जिसने लोगों को दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने पर ज़ोर देने का अवसर प्रदान किया।

इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की समीक्षा करना, लोकतंत्रीकरण और मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और दुनिया भर की सरकारों से नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करने और लोकतंत्र में सार्थक एवं सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह करना है।

साथ ही, सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा का उद्देश्य 16 सतत विकास लक्ष्यों के साथ लोकतंत्र को संबोधित करना, सूचना तक जनता की पहुँच सुनिश्चित करना, मौलिक स्वतंत्रताओं की रक्षा करना, राष्ट्रीय कानूनों और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों का पालन करना और प्रभावी, जवाबदेह, समावेशी संस्थाओं का विकास करना है।

यह दिन दुनिया भर में लोकतंत्र को बढ़ावा देने और मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें स्वतंत्र प्रेस और मौलिक स्वतंत्रताएं शामिल हैं, जिन्हें सेंसरशिप और शारीरिक हिंसा के बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ता है।

लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली ही नहीं है, बल्कि एक ऐसा ढाँचा है जो मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन और निर्णय लेने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है। 2024 में, दुनिया की लगभग आधी आबादी वाले 50 से ज्यादा देशों में चुनाव हुए, जिससे वैश्विक श्तर पर समाजों के भविष्य को आकार देने में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस केवल एक प्रतीकात्मक दिवस भर नहीं है, बल्कि यह अवसर है कि हम यह परखें कि लोकतंत्र अपने आदर्श रूप में कितना जीवंत है और वाश्तविक जीवन में कितनी चुनौतियों से जूझ रहा है।

इतिहास साक्षी है कि जब-जब लोकतंत्र ने अपनी जड़ों को मजबूत रखा, तब-तब समाज और राष्ट्र ने अभूतपूर्व प्रगति की, लेकिन जब-जब लोकतांत्रिक मूल्यों से खिलवाड़ हुआ, तब-तब अराजकता, अशांति, हिंसा, आतंक और तानाशाही प्रवृत्तियां हावी हो गईं। आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि लोकतांत्रिक देशों में ही लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

नेपाल में पिछले दिनों से चल रही अस्थिरता और आंदोलन यह दर्शाती है कि वहां की राजनीतिक नेतृत्व ने जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के बजाय सत्ता संघर्ष को वरीयता दी। बार-बार सरकार बदलना, नीतियों में असंगति, शासनगत भ्रष्टाचार और आमजन की समस्याओं की अनदेखी लोकतंत्र के मूल स्वरूप को ही चोट पहुँचाती है। यही हाल पाकिश्तान का है जहां लोकतांत्रिक ढांचा होते हुए भी सेना और सत्ता की सांठगांठ ने लोकतंत्र को खोखला बना दिया है।

वहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पाबंदी और विपक्षी नेताओं पर दमन लोकतांत्रिक आदर्शों का उपहास है। बांग्लादेश में हाल के आंदोलनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि सत्ता का केंद्रीकरण लोकतंत्र का गला घोंटता है। वहां आम जनता और छात्रों की आवाज़ को कुचलने का प्रयास हुआ जिससे असंतोष उभरकर सामने आया। भूटान जैसे छोटे राष्ट्र में भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपेक्षित रूप में मजबूत नहीं हो पा रही और सत्ता पर कुछ वर्गों का वर्चस्व देखा जा रहा है।

ये उदाहरण बताते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने या संसद चलाने का नाम नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ है नागरिक अधिकारों की रक्षा, समान अवसर, पारदर्शी शासन और जनता के प्रति जवाबदेही। जब नेता जनता से कट जाते हैं, जब संस्थाएं निष्पक्ष न रहकर सत्तापक्ष की कठपुतली बन जाती हैं, जब अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया जाता है, तब लोकतंत्र अपने असली स्वरूप से दूर हो जाता है। यही वजह है कि आज लोकतंत्र विश्वव्यापी संकट से गुजर रहा है।

आज दुनियाभर की शासन-प्रणालियों में घर कर रही समस्याओं के समाधान का राश्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना में है। सबसे पहले राजनीतिक दलों को आंतरिक लोकतंत्र अपनाना होगा, क्योंकि यदि दलों में ही तानाशाही हो तो राष्ट्र में लोकतंत्र कैसे जीवित रहेगा? दूसरा, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और मजबूत निर्वाचन प्रणाली लोकतंत्र की रीढ़ हैं, इन्हें किसी भी हालत में कमजोर नहीं होने देना चाहिए।

तीसरा, नागरिक समाज और युवाओं को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग और सक्रिय रहना होगा। महात्मा गांधी ने कहा था, 'लोकतंत्र जनता की आज्ञाकारिता नहीं, जनता की जागरूकता पर टिका है।' निश्चित है कि लोकतंत्र सर्वोत्तम शासन प्रणाली है, परंतु यह तभी प्रभावी हो सकता है जब इसके मूल तत्व-पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और स्वतंत्रता को व्यवहार में उतारा जाए।

यदि लोकतंत्र सही ढंग से चले तो इससे उन्नत शासन प्रणाली नहीं हो सकती। लोकतंत्र केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि एक सतत साधना है, और उसकी रक्षा का दायित्व शासकों से कहीं अधिक जनता पर है।

लोकतंत्र केवल एक शासन-प्रणाली नहीं है, बल्कि यह जीवन-मूल्यों और मानवीय गरिमा का उत्सव है। इसमें शासक और शासित का भेद मिट जाता है और सत्ता का वाश्तविक केन्द्र जनता होती है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी आत्मा में निहित है-जनता की सक्रिय भागीदारी और संवाद। जहाँ जनता मौन रहती है और केवल शासकों पर सब कुछ छोड़ देती है, वहाँ लोकतंत्र धीरे-धीरे खोखला हो जाता है और तानाशाही का रूप धारण कर लेता है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र है-उत्तरदायित्व और पारदर्शिता। यदि सत्ता में बैठे लोग अपने को जनता से ऊपर समझने लगें, भ्रष्टाचार और पक्षपात में डूब जाएँ, तो लोकतंत्र के मूल तत्व ही नष्ट हो जाते हैं।

आज की परिस्थितियों में लोकतंत्र को सबसे बड़ी चुनौती है-मूल्यों का ह्रास। केवल बाहरी ढाँचे और प्रक्रियाएँ ही लोकतंत्र को जीवित नहीं रख सकतीं। जब तक नागरिकों में नैतिक चेतना, कर्तव्य-बोध और सामाजिक सरोकार नहीं होंगे, तब तक लोकतंत्र केवल बहुमत की तानाशाही बनकर रह जाएगा।

जैसा कि प्रायः कहा गया है-'लोकतंत्र वही है जहाँ जनमत की गरिमा सुरक्षित हो, जनता की आवाज़ सुनी जाए और शासन जनता के कल्याण के लिए कार्य करे।' लोकतंत्र का दूसरा पहलू है-विकेन्द्रित शक्ति। यदि सारे निर्णय केवल शीर्ष पर सीमित रहेंगे और गाँव, नगर, पंचायत या स्थानीय निकाय निष्क्रिय रहेंगे तो लोकतंत्र अधूरा रहेगा।

असली लोकतंत्र वही है जहाँ निर्णय जनता की ज़मीनी ज़रूरतों के अनुसार हों और सत्ता की प्रक्रिया नीचे से ऊपर की ओर बहे। यह संवाद और सहमति का मार्ग है, संघर्ष और हिंसा का नहीं। इसे केवल व्यवस्था मानना भूल है; यह तो एक संस्कार और संस्कृति है, जो सतत आत्मावलोकन, आत्म-सुधार और समावेशिता की माँग करता है।

अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस मनाते हुए इसका सार यही है कि लोकतंत्र को बचाए रखने और उसे प्रभावी बनाने के लिए केवल संविधान और चुनाव काफी नहीं हैं; उसकी आत्मा को जीवित रखना आवश्यक है, जो जन-जागरण, नैतिकता और उत्तरदायित्व से ही संभव है।

इस वर्ष लोकतंत्र दिवस मनाते हुए 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और लोकतंत्र' के विषयों पर ज़ोर दिया जा सकता है, जिसके तहत एआई के जिम्मेदार उपयोग से लोकतंत्र के मूल्यों को मजबूत करने की बात कही जाती है। यह दिन सभी के लिए एक सुरक्षित, समावेशी और अधिक जीवंत डिजिटल भविष्य बनाने के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, भागीदारी, और मानवाधिकारों पर सामूहिक रूप से काम करने के महत्व पर भी प्रकाश डालता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक के इस युग में लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम तकनीक को केवल सुविधा का साधन न मानकर पारदर्शिता, संवाद और मानवीय मूल्यों को सशक्त करने का माध्यम बनाएँ। एआई लोकतंत्र को अधिक सहभागी और जवाबदेह बना सकता है-निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को डेटा-संपन्न, सटीक और पारदर्शी बनाकर, जनता की आवाज़ को त्वरित रूप से शासन तक पहुँचाकर।

लेकिन यदि तकनीक केवल सत्ता या कॉर्पोरेट के हाथों का खिलौना बन जाए तो यह लोकतंत्र की आत्मा को कुचल सकती है। इसलिए ज़रूरी है कि तकनीकी नवाचार को मानवीय विवेक और करुणा से जोड़ा जाए। बढ़ती हिंसा, युद्ध और आतंक की स्थितियों का समाधान भी इसी में है कि हम संवाद, सहअशितत्व और सहयोग को प्राथमिकता दें।

लोकतंत्र को केवल राजनीतिक प्रणाली नहीं, बल्कि शांति और मानवीय गरिमा की संस्कृति बनाना होगा, जहाँ तकनीक मानवता की सेवा करे, विभाजन और विनाश का हथियार न बने।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत की डिजिटल क्रांति : परिवर्तन का एक दशक और भावी योजना

राव इंद्रजीत सिंह

पिछले एक दशक में भारत में एक ऐसी डिजिटल क्रांति आई है जो असाधारण है। जो प्रक्रिया लक्षित प्रौद्योगिकीय अंतःक्षेपों की एक श्रृंखला के रूप में शुरू हुई थी वह अब एक व्यापक परिवर्तन के रूप में विकसित हो चुकी है, जो भारतीय जीवन के लगभग हर पहलू जैसे अर्थव्यवस्था, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, वाणिज्य, और देश के कोने-कोने में बसे किसानों और छोटे उद्यमियों के जीवन को भी प्रभावित कर रही है। यह यात्रा आकस्मिक नहीं थी।

इसे भारत सरकार द्वारा ठोस नीति निर्धारण, अंतरमंत्रालयी सहयोग, और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है। जब संबद्ध मंत्रालयों जैसे इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), वित्त मंत्रालय (एमओएफ), कृषि मंत्रालय, और अन्य मंत्रालयों ने बड़े पैमाने में ज़मीनी श्तर पर परियोजनाओं को पूरा किया, तो दूसरी ओर नीति आयोग ने अभिसरण को बढ़ावा देकर, विचारों को नेतृत्व देकर, और स्केलेबल, नागरिक-प्रमुखता वाले नवाचारों की ओर प्रणाली को प्रेरित कर नीति इंजन का काम किया है।

जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी की शुरुआत के साथ इसमें एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है। लगभग 55 करोड़ बैंक खातों के खोलने के साथ-साथ, करोड़ों लोगों को, जो पहले वित्तीय प्रणाली की पहुंच से बाहर थे, उन्हें अकस्मात बैंकिंग व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक पहुंच प्राप्त हुई है। ओडिशा के एक छोटे से गांव में पहली बार बिना बिचौलिए की सहायता से एक सिंगल मदर को कल्याणकारी लाभ सीधे उनके खाते में प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया। उनकी कहानी भारत भर के करोड़ों लोगों की कहानी बन गई है। यह वृहद वित्तीय समावेशन आंदोलन वित्त मंत्रालय के समर्थन और आधार तथा मोबाइल पैठ की सक्षम सहायता से अगला कदमः एक वित्तीय-प्रौद्योगिकी विस्फोट का आधार बना।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के मार्गदर्शन में विकसित एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) ने भारतीयों के लेन-देन के तरीके में क्रांति ला दी है। किसी मित्र को पैसे भेजने के एक अनूठे तरीके के रूप में शुरू किया गया यह तरीका शीघ्र ही छोटे व्यवसायों, सब्ज़ी विक्रेताओं और गिग वर्कर्स की जीवनरेखा बन गया। आज, भारत में प्रति माह 17 बिलियन से अधिक यूपीआई के माध्यम से लेनदेन होते हैं, और यहाँ तक कि सड़क किनारे के विक्रेता वाले भी एक साधारण क्यूआर कोड के ज़रिए डिजिटल भुगतान स्वीकार कर रहे हैं।

इसी दौरान, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारत के डिजिटल अवसंरचना के मुख्य तंत्र को धीरे-धीरे और निरंतरता से तैयार किया जा रहा है। भारतनेट जैसी परियोजनाओं ने दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों तक ब्रॉडबैंड पहुँचाया है, जबकि इंडिया स्टैक ने कागज़-रहित, उपस्थिति-रहित और नकदी-रहित सेवाओं का ढाँचा तैयार किया।

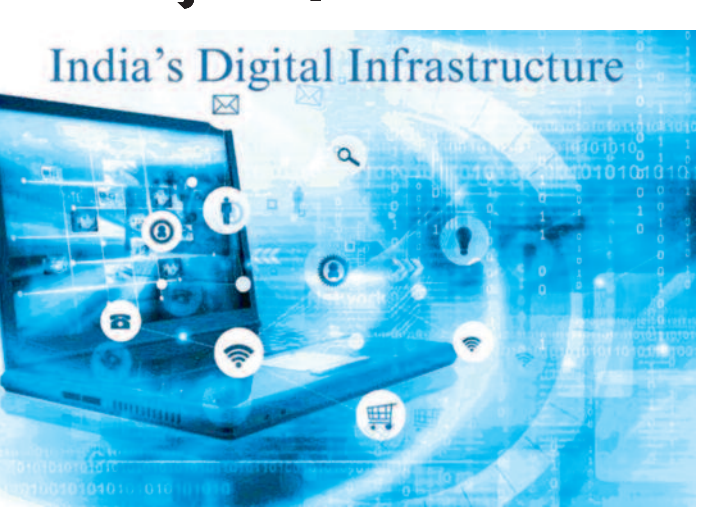

डिजी-लॉकर ने छात्रों को अपने प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में रखने, और ई-हश्ताक्षर ने महत्वपूर्ण दश्तावेज़ों के लिए दूरस्थ प्रमाणीकरण प्रदान किया। डिजी-यात्रा एक अग्रणी पहल है जो चेहरे के पहचान की तकनीक का उपयोग करके निर्बाध, कागज़-रहित और संपर्क-रहित हवाई यात्रा को संभव बनाती है।

यह त्वरित चेक-इन, बेहतर यात्री अनुभव और बेहतर हवाई अड्डे की क्षमता में सुधार सुनिश्चित करती है, साथ ही विकेंद्रीकृत पहचान प्रबंधन के माध्यम से डेटा गोपनीयता की सुरक्षा भी करती है। यह भारतीय विमानन के भविष्य की तैयारी और यात्री-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ये मात्र ऐप ही नहीं हैं - ये एक डिजिटल गणराज्य की आधारशिला हैं।

डिजिटल गवर्नेंस ने भी गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) के शुभारंभ के साथ बड़ी उछाल लगाई है। सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए डिज़ाइन किए गए, जेम ने 1.6 लाख से अधिक सरकारी क्रेताओं को 22 लाख से अधिक विक्रेताओं से जोड़ा है - जिसमें महिला उद्यमियों और एमएसएमई की बढ़ती संख्या शामिल है। राजस्थान के एक छोटे हश्तशिल्प विक्रेता के लिए, इसका अभिप्राय सरकारी संविदाओं तक पहुंच प्रदान करना था जो पहले अकल्पनीय था।

कृषि क्षेत्र, जिसे प्रायः परिवर्तन के प्रतिरोधी के रूप में देखा जाता है, ने भी डिजिटल साधनों को अपनाना शुरु कर दिया है। पीएम-किसान जैसे प्लेटफॉर्म ने यह सुनिश्चित किया कि आय सहायता किसानों तक सीधे पहुँचे। ई-नैम ने राज्यों की कृषि मंडियों को जोड़ा, जिससे किसानों को अपनी उपज के बेहतर दाम मिल सके।

डिजिटल मृदा स्वास्थ्य कार्ड ने उन्हें यह समझने में मदद की कि उन्हें कौन सी फसलें उगानी चाहिए और अपनी भूमि में कौन से पोषक तत्वों का प्रयोग करना चाहिए। झारखंड के ग्रामीण-क्षेत्रों में, स्थानीय उद्यमियों द्वारा संचालित सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) उनके लिए एक प्रकार से डिजिटल जीवन रेखा बन गए, जो टेली-मेडिसिन से लेकर बैंकिंग और कौशल विकास कार्यक्रमों तक, हर चीज की पेशकश करते हैं।

महामारी भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे के लिए एक कठिन परीक्षा थी जिसमें हम बखूबी सफल हुए। स्कूल बंद होने के बावजूद, दीक्षा और स्वयं जैसे प्लेटफॉर्मों ने यह सुनिश्चित किया कि पढ़ाई अनवरत चलती रहे।

लद्दाख और केरल के छात्र भी भारत भर के शिक्षकों द्वारा तैयार की गई शिक्षण सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं। इसके साथ ही, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने अपना आकार लिया, जिससे नागरिकों को एक डिजिटल आईडी के माध्यम से अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुँच प्राप्त हुई और अस्पतालों एवं राज्यों में एक सहज वातावरण बन सका।

वाणिज्य में भी एक शांत क्रांति देखी गई। डीपीआईआईटी की एक पहल, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) अब छोटी किराना दुकानों और हथकरघा बुनकरों को बड़ी ई-कामर्स कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बना रही है। डिजिटल कॉमर्स के कार्यों को एकीकृत करके, ओएनडीसी प्रतिस्पर्धा के मैदान को समतल कर रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छोटे व्यवसाय आसानी से लॉजिस्टिक्स, भुगतान और ग्राहक प्रतिक्रिया प्रणालियों तक पहुँच सकें।

नीति आयोग की अभिसरण भूमिका-मंत्रालयों, राज्यों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत को एकजुट करना है-जो सुनिश्चित करता है कि डिजिटल सार्वजनिक वश्तुएँ अंतर-संचालनीय, समावेशी और स्केलेबल हों। जैसे-जैसे भारत अपने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, नए आयाम उभर रहे हैंः एआई-सक्षम शासन, विकेन्द्रीकृत वाणिज्य, और बहुभाषी, मोबाइल-प्रथम डिजिटल सेवाएँ जो देश के सबसे गरीब व्यक्ति तक पहुँच सकती हैं।

लेकिन यह सिर्फ़ एक सरकारी सफलता से जुड़ी कहानी नहीं है। यह एक राष्ट्र की कहानी है-करोड़ों नागरिकों की कहानी है जिन्होंने बदलाव को अपनाया, उद्यमियों की कहानी है जो डिजिटल रेल पर आगे बढ़े, और स्थानीय लीडरों की कहानी है जिन्होंने सेवा वितरण की नई कल्पना की। भारत का डिजिटल दशक सिर्फ़ तकनीक का नहीं है-यह बदलाव का दशक भी है और यह कहानी का अभी प्रारंभिक चरण ही है।

(लेखक सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) एवं संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संस्कृत के विद्यार्थी की हत्या के मामले में पूर्व प्रधानाचार्य समेत चार पर केस, घटना स्थल पर पुलिस ने कोना-कोना झांका

हाटा, एजेंसी। संस्कृत के विद्यार्थी 11 वर्षीय कृष्ण की हत्या कर शव को संस्कृत विद्या प्रबोधिनी पाठशाला के परिसर स्थित छात्रावास में ही फंदे से लटकाने के चर्चित मामले में हाटा कोतवाली पुलिस ने एक दिन बाद शनिवार को पूर्व प्रधानाचार्य समेत चार के विरुद्ध हत्या सहित अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया।

मुकदमा पिता की तहरीर पर दर्ज किया गया। चारों आरोपितों से पुलिस पूछताछ कर रही है, ताकि घटना का असल कारण सामने आ सके। तहरीर में हत्या का जो कारण बताया गया है, पुलिस के गले के नीचे नहीं उतर रहा है।

हत्या नृशंस ढंग से की गई है और आत्महत्या दिखा पुलिस को गुमराह करने की कोशिश भी की गई है। ऐसे में पुलिस सभी पहलुओं पर गहन जांच में जुटी है। उधर देर शाम आरोपित प्रधानाचार्य को निलंबित भी कर दिया गया।

मृतक कृष्णा के पिता धनंजय दुबे द्वारा दी गई तहरीर में पूर्व प्रधानाचार्य प्रभुनाथ पांडेय, उनके पुत्र शिव पांडेय, बहू रिमझिम पांडेय व वर्तमान प्रधानाचार्य अवधेश दुबे पर अज्ञात लोगों संग मिल कर हत्या का आरोप लगाया। कहा है कि बेटे की मृत्यु की सूचना पर कृष्णा के मामा मौके पर पहुंचे और विद्यालय परिसर में ही निवास बना रहेन वाले पूर्व प्रधानाचार्य से घटना के बारे में पूछा।

इस पर पूर्व प्रधानाचार्य का पुत्र आक्रोशित हो उठा। अपशब्द कहे और वहां से चले जाने को कहा। पूर्व प्रधानाचार्य ने भी अपने को ऊंची पहुंच वाला बताया और विद्यालय से चले जाने को कहे। तहरीर में छात्रावास में रह कर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों का उत्पीड़न होने की बात भी कही गई है।

उधर एसपी संतोष कुमार मिश्र ने विद्यालय पहुंच घटनास्थल का निरीक्षण किया। चार घंटे रह कर शिक्षक, विद्यार्थियों से अलग-अलग बात की। कोतवाली पुलिस, फारेंसिक व स्वाट टीम को भी आवश्यक निर्देश दिए। जांच रात तक चलती रही।

11 वर्षी कृष्णा से किसी की कोई अदावत होगी, यह बात मानने को कोई तैयार नहीं है। स्वजन से लेकर सहपाठी भी बता रहे कि उसका स्वभाव बेहद सरल व सहज था। पठन-पाठन के अलावा उसका दूसरा कोई काम नहीं था। विद्यालय से निकल बाजार आदि जाने में भी वह हिचकता था।

ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि घटना की रात ऐसा क्या हुआ, जिसकी कीमत उसे अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। क्या वह विद्यालय या आसपास की किसी ऐसी गतिविधि से परिचित था, जिससे किसी की पद, प्रतिष्ठा प्रभावित होने वाली हो। उसने कुछ ऐसा देख या सुन लिया हो, जिससे किसी की सच्चाई सामने आ सके। हालांकि, हत्या के पीछे की सच्चाई क्या है, यह तो जांच के बाद ही सामने आएगी।

संस्कृत विद्या प्रबोधिनी पाठशाला का माहौल पिछले कुछ वर्षों से ठीक नहीं चल रहा था। पूर्व प्रधानाचार्य प्रभुनाथ पांडेय के सेवानिवृत्त होने के बाद वरिष्ठ शिक्षक अवधेश दुबे को प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी मिली। लेकिन वे विद्यालय पर पूर्ण रूप से प्रभावी अब तक न हो सके। पूर्व प्रधानाचार्य के पुत्र शिव पांडेय का विद्यालय के कामकाज में दखल होना इसका सबसे बड़ा कारण है।

बताया जा रहा कि उनके पद भार ग्रहण करने के कुछ समय बाद से ही प्रभुत्व को लेकर रस्सा-कस्सी का दौर शुरू हो गया। पूर्व प्रधानाचार्य का पुत्र का दखल यहां तक बढ़ गया था कि वह विद्यार्थियों से अपने घर का काम भी लेता था। चर्चा है कि एक बार तो उसने एक बच्चे को पंखे से लटकाने का भी प्रयास किया था, ताकि दूसरे बच्चों में उसके नाम का भय बना रहे। शिव विद्यालय परिसर स्थित आवास में ही रहता है। छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को छात्रावास न छोड़ने का सख्त निर्देश दिया गया है। पुलिस ने विद्यालय प्रशासन को इस संबंध में स्पष्ट बताया गया है कि जब तक पुलिस की जांच नतीजे पर नहीं पहुंच जाती, तब तक किसी भी विद्यार्थी को छात्रावास छोड़ कर जाने की अनुमति न दी जाए।

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर विराट कवि सम्मेलन का आयोजन

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबंध सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज,रामलीला बाग, नगीना, बिजनौर में हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल कुमार गुप्ताने की। इस अवसर पर अशोक शर्मा, बिजनौर, अनिल शर्मा, धामपुर, नरेंद्र जीत अनाम, धामपुर, देवेंद्र कुमार, धामपुर, विनीत कुमार, (हुड़दंग) नगीना, आलम गीर काज़मी, नगीना, विशाल सैनी नगीना, गुण प्रकाश शर्मा, चंदूपुरा नसीब, कृष्ण कुमार, नगीना, श्रीमती शाकुम्भरी देवी, नगीना एवं इंद्रजीत जोगी, डॉ रमेश गिरि, देवेंद्र सिंह, श्रीमती सरोज, डॉ अंजू विश्नोई, एडवोकेट निशिभ प्रकाश गर्ग आदि सम्मानित कवियों ने अपनी रोचक प्रश्तुतियों द्वारा कार्यक्रम का समां बाँधा। स्वागत समारोह में प्रबंधीय समिति द्वारा उपस्थित समश्त कवियों को शॉल, पट्टिका एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के किशोर एवं तरुण वर्ग के भैया- बहिनों ने कविताओं का प्रश्तुतिकरण किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक डॉ संदीप शर्मा, उपाध्यक्ष एडवोकेट हेमंत कुमार, सदस्य अनिल शर्मा, अनमोल, अनुरोध, डॉ भूपेश, प्रभात कुमार अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

सफलता पूर्वक कराई गई परीक्षा

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा जिले में संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस) परीक्षा एवं राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) एवं नौसेना अकादमी (एनए) परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन कराया गया। परीक्षा के लिए जिले में कुल 09 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे, जिनमें टीकाराम कन्या महाविद्यालय, टीकाराम कन्या इंटर कॉलेज, गोपीराम पालीवाल इंटर कॉलेज, एसएमबी इंटर कॉलेज, धर्म समाज महाविद्यालय, वार्ष्णेय महाविद्यालय, बाबूलाल जैन इंटर कॉलेज, रतन प्रेम गर्ल्स डीएवी इंटर कॉलेज तथा डीएवी इंटर कॉलेज शामिल रहे। प्रथम पाली में परीक्षार्थियों की उपस्थिति 75.32 प्रतिशत, द्वितीय पाली में 75.09 प्रतिशत तथा तृतीय पाली में 64 प्रतिशत रही। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा को नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

चोरी की ट्रॉली के साथ दबोचा चोर

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। अतरौली पुलिस टीम ने दो शातिर चोर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की ट्रॉली व अवैध तमंचा- कारतूस बरामद किया है। प्रभारी निरीक्षक अतरौली सत्यवीर सिंह के नेतृत्व में थाना अतरौली पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर चोरी के मुकद्दमें में वांछित चल रहे प्रताप पुत्र जसवन्त निवासी ग्राम विधिपुर थाना अतरौली ,मनीष पुत्र राकेश निवासी ग्राम विधिपुर थाना अतरौली के विरूद्ध त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना के 12 घन्टे के अन्दर गिरफ्तार कर चोरी की गयी एक ट्रॉली व एक दो जिन्दा कारतूस बरामद किया गया । जिसके सम्बन्ध में प्रताप पुत्र जसवन्त के विरूद्ध मुकद्दमा पंजीकृत किया गया है। तथा ट्रैक्टर के कागजात न पाये जाने पर एमवी एक्ट में सीज किया गया है।

कंपाउंडर के इंजेक्शन लगाने से महिला की मौत

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। कोतवाली अतरौली क्षेत्र में एक गंभीर मामला सामने आया है। पेट में दर्द से पीड़ित महिला को डाक्टर की गैर मौजूदगी में कम्पाउण्ड़र ने गलत इंजेक्शन लगा दिया जिसके कारण महिला की मौत हो गई। 25 वर्षीय सर्वेश को उसके पिता डॉक्टर के पास दिखाने माहेश्वरी क्लिनिक लाए थे। आरोप है कि क्लिनिक में डॉक्टर मौजूद न होने के बावजूद कंपाउंडर ने सर्वेश को इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगाने के बाद महिला की हालत बिगड़ गई और कुछ ही देर में तड़पते हुए उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दिया गया इंजेक्शन एक्सपायरी डेट समाप्त हो चुका था। महिला की मौत के बाद कंपाउंडर और अन्य क्लिनिक स्टाफ फरार हो गए।

प्रतियोगिता में स्कूली बच्चें ने जीते पुरूस्कार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। एस.एस.डी. स्कूल किड्स विंग में हिंदी दिवस के उपलक्ष में हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें 50 से अधिक बच्चों ने प्रतिभाग किया तथा बहुत सुंदर आवाज में प्रश्तुति दी, बच्चों में कविताओं को लेकर बहुत उत्साह था। प्रतियोगिता में जीतने वाले बच्चों को गिफ्ट देकर हिंदी बोलने के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिता का संचालन डॉली जैन द्वारा किया गया तथा मौके पर प्रबंधक पवन शर्मा प्रधानाचार्य, अलका अग्रवाल, प्रधानाध्यापिका शालू वर्मा ने बच्चों की रचनाओं को बड़े ध्यान पूर्वक सुना। इस मौके पर ज्योति वार्ष्णेय, अलका भारद्वाज, सीमा वर्मा, रेखा गुप्ता, सोनम वर्मा, अर्चना सिंह, गीता कश्यप, रत्ना, प्रियंका, प्रिंसी, अर्चना गुप्ता, अर्चना शर्मा, नंदिनी, ललितेश मैम, प्रियंका प्रजापति, शिवानी चौधरी,शिवानी गौतम, आदि मौजूद थे।

शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र की तबीयत बिगड़ी, बीएचयू में चल रहा इलाज

वाराणसी, एजेंसी। प्रख्यात शास्त्रीय गायक पद्म विभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र की तबीयत बिगड़ गई है. उन्हें बीएचयू में रेफर कर दिया गया है. जहां उनका इलाज चल रहा है. बताया जा रहा कि पंडित छन्नू लाल मिश्र सीने में इन्फेक्शन की समस्या से पीड़ित हैं. पहले उनका इलाज मिर्जापुर के मेडिकल कॉलेज में चल रहा था, लेकिन शनिवार को तबीयत बिगड़ने के बाद बीएचयू के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक में भर्ती कराया गया है.

बीएचयू अस्पताल में चल रहा इलाज = पंडित छन्नूलाल मिश्रा का इलाज चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. एसएन शंखवार समेत विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम कर रही है. उनके बिगड़े हुए स्वास्थ्य को देखकर तमाम लोग अस्पताल में पहुंचकर उनका हाल जान रहे हैं. उनकी बेटी डॉ. नम्रता मिश्रा ने बताया कि पंडितजी काफी दिनों से उनके पास मिर्जापुर में थे. कुछ दिनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा था. शनिवार शाम परेशानी बढ़ने के बाद मिर्जापुर के चिकित्सकों ने बीएचयू रेफर कर दिया था. इसके बाद उन्हें यहां लाया गया है. शरीर में दिक्कत की वजह से खून की कमी हो गई है. वर्तमान में उनका इलाज चल रहा है.

आईएमएस बीएचयू के निदेशक डॉ. एसएन शंखवार का कहना है कि पंडित जी के लिए अस्पताल की टीम अलर्ट है. इसके साथ ही हृदय रोग विभाग चेस्ट विभाग सहित अन्य विभाग के डॉक्टर पैरामेडिकल स्टाफ की टीम को लगाया गया है. यहां उनका बेहतर इलाज किया जा रहा है.

बहराइच में भेड़िये की दहशत, बरामदे में लेटे दो लोगों पर किया हमला, घर के बाहर बंधी बकरी खा गया

बहराइच, एजेंसी। जिले में भेड़िया एक बार फिर आतंक मचा रहा है. ताजे घटनाक्रम में अलग-अलग गांवों में शनिवार रात सो रहे दो लोगों पर भेड़िये ने हमला किया है. इसमें एक महिला भी शामिल है. इसके साथ ही घर के बाहर बंधी बकरी को भेड़िये ने मार डाला. इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है. बता दें कि पिछले साल भेड़िये के हमले में 10 बच्चों और एक महिला की मौत हो गई थी. जबकि हमले में 60 लोग घायल हुए थे. तब वन विभाग की टीम ने 6 भेड़िये पकड़े थे.

जानकारी के मुताबिक, कैसरगंज थाना क्षेत्र के मंझारा तौकली नरेश पुरवा की रहने वाली 40 वर्षीय सारथी देवी घर के बाहर सो रही थी. इसी दौरान भेड़िये ने उन पर हमला कर दिया. हमले में सारथी गंभीर रूप से जख्मी हो गई. इसी तरह हरिराम पुरवा के रहने वाले मदन (35) घर के बरामदे में लेटा था. भेड़िया ने उनके सिर पर हमला कर घायल कर दिया. इस क्रम में प्रहलाद पूर्व ग्राम में घर के बाहर बंधी सुंदरलाल की बकरी को भेड़िये ने अपना निवाला बना लिया.

इस बारे में डीएफओ राम सिंह यादव ने बताया कि हमले की जानकारी होते ही मौके पर टीम को भेजा गया. लगातार टीम रात्रि गश्त कर रही है. ड्रोन कैमरे की भी मदद ली जा रही है. बताया कि यह पूरा एरिया करीब 40 से 50 किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है. यहां पर गन्ने की खेती ज्यादा होती है. जिसके चलते भेड़िये आसानी से एक से दूसरे गांव पहुंच जाते हैं. पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया है. जल्द ही भेड़िये को पकड़ लिया जाएगा.

मामले में एसपी रामनयम सिंह ने बताया कि वन विभाग टीम के साथ पुलिस कर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई है. लगातार गश्त भी की जा रही है. मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए जानकारी भी ली गई है. बता दें कि पिछले कुछ दिनों के अंदर भेड़िये ने एक के बाद चार लोगों पर हमला कर दिया था. जिसमें एक बच्ची की मौत हो गई थी.

कानपुर के 292 आंगनबाड़ी केंद्र बनेंगे मॉडल, बाला वॉल पेंटिंग से बच्चे बनेंगे होनहार

कानपुर, एजेंसी। आंगनबाड़ी केंद्रों को मॉडल बनाने के लिए शासन स्तर पर प्रयास के तहत कानपुर में पहल की गई है. पहली बार जनपद के 292 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बाला पेंटिंग कराई जाएगी. इस बाबत जिला अधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में आयोजित बैठक के दौरान अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए और जानकारी साझा की.

डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बाला पेंटिंग्स के जरिए सभी आंगनबाड़ी केंद्रों की दीवारों, दरवाजा और फर्श पर एक शैक्षिक चित्र और रचनात्मक आकृतियों को उकेरा जाएगा. इन आकृति और चित्रों में संख्याएं तालिकाएं, पशु पक्षी, अक्षरमाला, फल फूल भारत का मानचित्र व अन्य कई विभिन्न शैक्षिक खेलों से जुड़ी डिजाइनों को भी शामिल किया जाएगा. इससे छोटे बच्चे रोचक और सहज अंदाज में खेल-खेल में शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे. इसके अलावा प्रत्येक केंद्र पर पोषण वाटिका भी स्थापित की जाएगी. जिसमें पालक, मेथी की सब्जियां सतवारी, आंवला, सहजन, पपीता लेमनग्रास, अनार व करी पत्ता जैसे पौधे लगाए जाएंगे.

ग्राम पंचायतो को मिली धनराशि = डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बनाई जाने वाली यह बाला पेंटिंग के लिए 11000 वह पोषण वाटिका के लिए 10000 की धनराशि आंगनबाड़ी केंद्र युक्त ग्राम पंचायत के खाते में ट्रांसफर की जा चुकी है. बाला पेंटिंग का निर्माण कार्य 25 सितंबर तक हर हालत में पूरा कर लिया जाना चाहिए खासतौर पर ध्यान रहे कि इसकी गणवत्ता में किसी भी तरीके की लापरवाही न होने पाए. इसके अतिरिक्त 292 आंगनबाड़ी केंद्रों में एलईडी स्क्रीन भी लगाई जाएगी.

डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बाला पेंटिंग से बच्चों को रचनात्मक शिक्षा के साथ ही एक बेहतर वातावरण मिल सकेगा. पोषण वाटिका उनके स्वास्थ्य व पोषण का एक बड़ा आधार बनेगी इसके अलावा जो एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही है इनके जरिए बच्चे डिजिटल शिक्षा की ओर आगे बढ़ सकेंगे मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन तीनों विशेष पहल के जरिए हमारे सभी आंगनबाड़ी केंद्र वास्तव में सक्षम बना सकेंगे.

नेपाल की जेल से भागकर यूपी के बॉर्डर पर पहुंचे कैदियों को वापस नेपाल भेजा जाएगा

लखनऊ, एजेंसी। नेपाल के मौजूदा राजनीतिक हालातों का फायदा उठाकर वहां की जेलों में बंद कई कैदी भाग निकले हैं. ये कैदी मादक पदार्थों के तस्करी सहित विभिन्न अपराधों में वहां की जेलों में बंद थे. ये सभी उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड के बॉर्डर से सटे जिलों से गिरफ्तार हुए हैं. उत्तर प्रदेश में निगरानी के दौरान एसएसबी और पुलिस ने करीब एक दर्जन ऐसे कैदियों को गिरफ्तार किया है, जो नेपाल की जेल में बंद थे और उन पर कई संगीन मामले नेपाल में दर्ज हैं. ऐसे कैदियों को देश में प्रवेश देना है या नहीं, अगर देना है तो इन्हें इनके घर जाने दिया जाए या कहीं और भेजा जाए, इसको लेकर इंटेलिजेंस ब्यूरो ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से गाइडलाइन मांगी थी.

इंटेलिजेंस ब्यूरो के सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पकड़े गए इन कैदियों को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है. इन कैदियों को देश में प्रवेश नहीं दिया जाएगा इन्हें बॉर्डर से ही वापस नेपाल भेज दिया जाएगा. गृह मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड सरकारों को इस संबंध में स्पष्ट सूचना भेजी है.

नेपाल में हिंसा के कारण वहां फंसे बदायूं के 23 व्यक्तियों को भारत वापस लाया गया है. दिल्ली से ये सभी बदायूं पहुंचे हैं. इसमें से 21 इस्लामनगर थाना क्षेत्र और 2 बिसौली इलाके के रहने वाले हैं. स्थानीय प्रशासन और भारत सरकार के सहयोग से ये सभी वापस लाए गए हैं. उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार नेपाल दौरे पर गई राजस्थान की निर्दलीय महिला विधायक ऋतु बनावत शुक्रवार देर रात नेपाल से लखनऊ पहुंचीं

250 वर्ष पुरानी कालीदह पोखर पर भू-माफियाओं का राज, सरकारी सम्पत्ति का बोर्ड लगाकर भूला नगर निगम

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

जिले की पोखरों का धार्मिक स्थलों से कोई न कोई जुड़ाव रहा। यहां की अधिकांश पोखर और तालाब धार्मिक स्थलों से जुड़े रहे हैं। इसी तरह की स्थिति करीब 250 साल पुरानी महेंद्र नगर की कालीदह पोखर की है।

यहां पर काली मंदिर से लगी 250 बीघा जमीन पर पोखर बनाई गई थी। पहले यह पोखर शहर से दूर थी लेकिन जैसे - जैसे आबादी बढ़ी वैसे - वैसे लोगों ने पोखर पर कब्जे करके मकान बनाने शुरू कर दिए।

यह सिलसिला करीब 50 साल से चला आ रहा है। अब तो भूमाफिया ने मिट्टी का भराव करके इस पोखर की जमीन पर प्लाटिंग शुरू कर दी है। जिसकी वजह से यह पोखर मात्र पांच बीघा तक ही सिमट कर रह गई है। इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि इस पोखर पर महेंद्र नगर के नाम से पूरा क्षेत्र बस गया है।

मकानों को ध्वस्त करना तो दूर कब्जों को हटाने से हिचकिचा रहे अधिकारी

इस पोखर के संरक्षण के लिए शहर के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट तक पहल की। तब जाकर सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम को आदेश दिए कि अवैध कब्जे करने वालों के खिलाफ दंडनीय कार्रवाई की जाए। नगर निगम के अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का महज इतना पालन किया है कि वहां पर एक बोर्ड लगा दिया है। जिसमें यह लिख दिया है कि इस पोखर की जमीन पर कब्जा न करें, अवैध कब्जा करना दंडनीय अपराध है।

क्यों नहीं अवैध निर्माण ध्वस्त करा पा रहे अधिकारी?

हालत यह है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद नगर निगम के अधिकारी पोखर की इस जमीन से अवैध कब्जे नहीं हटा पा रहे हैं।

पूर्व में बने मकानों को ध्वश्त करना तो दूर इन दिनों हो रहे कब्जों को भी हटाने से हिचकिचा रहे हैं। शहर के जागरूक नागरिकों ने इस पोखर से कब्जे हटाने के बारे में नगर निगम को कई बार लिखित और मौखिक तौर पर कहा लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

लाख कोशिशों के बावजूद पोखरों पर अवैध अतिक्रमण

नगर निगम की लाख कोशिशों के बावजूद पोखरों पर अवैध अतिक्रमण हो रहे हैं। जिले के कालीदह पोखर पर भी लगातार कब्जे हो रहे हैं।

नगर निगम की टीम पूर्व में निरीक्षण करने गयी तो पोखर के अलावा चरागाह व ऊसर की भूमि पर कब्जे मिले। जिसके बाद नगर निगम की ओर से बोर्ड लगाने के बावजूद कालीदह पोखर पर कब्जे नहीं रुक रहे हैं।

अवैध कालोनियों में पेयजल, बिजली कनेक्शन के साथ इंटरलाकिगं सड़कें

खास बात यह है कि यहां पर जितने अवैध निर्माण हैं, वहां पर नगर निगम और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से इंटरलाकिंग सड़कें बनवाई गई हैं।

इतना ही नहीं बिजली विभाग की ओर से कनेक्शन भी दे दिए गए हैं। अब यहां पर अमृत योजना में पानी के कनेक्शन भी दिए जा रहे हैं। यहां पर आवासीय कालोनी ही नहीं बल्कि कारखाने भी चल रहे हैं।

नशा मुक्त भारत के लिए निकाली विशाल बाइक रैली

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷

अखिल भारतीय कोरी समाज द्वारा युवाओं को नशे से दूर करने के लिए जन जागरण बाइक रैली का आयोजन कराया गया। इस रैली का नेतृत्व संगठन के वरिष्ठ नेता संजू बजाज तथा महानगर अध्यक्ष प्रमोद कुमार पप्पी ने किया।

इस रैली का उद्घाटन हड्डी गोदाम सीयल माता के मंदिर से किया गया। इस मौके पर यहां हाथरस के पूर्व विधायक हरिशंकर माहौर तथा अलीगढ़ के मेयर प्रशांत सिंघल मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। इस वाहन रैली में सैकड़ो मोटरसाइकिलें शामिल हुईं।

कार्यकर्ताओं ने अपने हाथों में तिरंगा झंडा तथा नशा मुक्त भारत की संदेश पट्टिकाएं पकड़ रखी थी। इन सभी ने झलकारी बाई अमर रहें और भारत माता की जय के नारे लगाए तथा लोगों को यह संदेश दिया कि नशा परिवार को उजाड़ देता है, इसलिए नशा छोड़कर शिक्षा की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी संजू बजाज ने कहा कि वर्तमान में देश का युवा नशे की ओर बढ़ रहा है। नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं बल्कि पीढ़ियों को बर्बाद कर देता है। नशे के कारण अनेक परिवार उजड चुके हैं। इसलिए युवाओं को नशे का त्याग करके शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना।

चाहिए संजू बजाज ने बताया कि इस संगठन द्वारा पूर्व में अनेक नुक्कड़ सभाएं आयोजित करके लोगों को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित किया गया था और आज उसी क्रम में बाइक रैली का आयोजन कराया गया है। इधर संगठन के महानगर अध्यक्ष प्रमोद कुमार पप्पी ने कहा कि यह बाइक रैली सीयल माता मंदिर हड्डी गोदाम से शुरू हुई तथा यहां से प्रारंभ होकर अचल ताल धर्म समाज महाविद्यालय पर जाकर इसका समापन हुआ। उन्होंने कहा कि बाइक रैली का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर करना है और उन्हें उम्मीद है कि वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे।

इस मौके पर वाहन रैली में पार्षद सूरज महौर पार्षद विनोद माहौर प्रहलाद माहौर दीपक माहौर योगेश माहौर ललित माहौर अमित बजाज प्रभुदयाल माहौर, सुधीर कुमार, गौरव माहौर एडवोकेट, कपिल, लाले, कमलजीत, राहुल माहौर, रामलखन कन्हैया माहौर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जैस्मिन लैम्बोरिया का गोल्डन पंच

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत को स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मिन लंबोरिया (57 भारवर्ग) ने भारत को स्वर्णिम सफलता दिलाई है। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की बेटी का दबदबा देखा गया। फाइनल में पोलैंड की जूलिया को मात देकर उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इससे पहले जैस्मिन ने सेमीफाइनल में वेनेजुएला की कैरोलिना अल्काला को 5-0 से परास्त किया था।

12 साल में पहली बार पुरुष वर्ग में झोली खाली

पुरुष वर्ग में 12 वर्ष में पहली बार ऐसा हुआ जब भारतीय मुक्केबाजों को खाली हाथ लौटना होगा। जदुमणि सिंह के सामने गत विश्व चैंपियन कजाखस्तान के सांजेर ताशकेनबे थे जिनके खिलाफ उन्हें 0-4 से हार मिली। जदुमणि की हार के साथ यह तय हो गया कि भारत के दस सदस्यीय पुरुष दल का इस बार कोई पदक नहीं मिलेगा। ऐसा 2013 के बाद पहली बार होगा। ताशकंद में 2023 में भारत ने 3 कांस्य जीते थे।

एशिया कप: श्रीलंका ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया, 32 गेंद पहले जीता मुकाबला

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 के ग्रुप बी के एक अहम मुकाबले में श्रीलंका ने बांग्लादेश को हरा दिया है। श्रीलंका को जीत के लिए 140 रन का लक्ष्य मिला था। श्रीलंका ने 32 गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

140 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 13 के स्कोर पर कुसाल मेंडिस का विकेट खो दिया। वह 3 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पाथुम निसांका और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए कामिल मिशारा ने दूसरे विकेट के लिए 52 गेंद पर 95 रन की तेज साझेदारी कर मैच का पलड़ा श्रीलंका की तरफ पूरी तरह मोड़ दिया। यहां से बांग्लादेश के लिए वापसी की उम्मीद खत्म हो गई और मैच में सिर्फ औपचारिकता रह गई।

ग्रांड स्विस 2025:

दिव्या देशमुख नें गुकेश से खेला ड्रा

निहाल की सयुंक्त बढ़त क़ायम

समरकंद,उज्बेकिस्तान, एजेंसी। फीडे ग्रांड स्विस 2025 के आठवें राउंड में ख़राब लय से जूझ रहे भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश लगातार चौंथे राउंड में जीटी नहीं दर्ज कर पाये हालांकि उनकी लगातार तीन हार का क्रम अंततः टूट गया और वर्तमान विश्व कैप महिला विजेता भारत की दिव्या देशमुख नें गुकेश को ड्रा पर रोकते हुए नया इतिहास रच दिया , इसके साथ ही मौजूदा विश्व चैंपियन को ड्रा पर रोकने वाली दिव्या इतिहास की पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई है ।

दिव्या नें काले मोहरो से गुकेश की हर चाल का माकूल जबाब दिया , सिसिलियन ओपनिंग में दिव्या नें 103 चालों तक चले मैराथन मुक़ाबले में कमाल की क्षमता का परिचय दिया । इस ड्रा के कारण गुकेश पिछले दो सालों में पहली बार विश्व रैंकिंग में शीर्ष दस से बाहर होने के करीब पहुँच गए है । वहीं भारत के निहाल सरीन नें आज पहले बोर्ड पर जर्मनी के मैटियास ब्लूबम से ड्रा खेला और छह अंकों के साथ अपनी एकल बढ़त को क़ायम रखा है। वहीं जर्मनी के विंसनेट केमर से भारत के वर्तमान ग्रैंड स्विस चैंपियन विदित गुजराती को हार का सामना करना पड़ा जबकि बाजी ड्रा के करीब थी ।

अर्जुन एरिगैसी नें आर्मेनिया के सर्गेशियन शांत से और आर प्रज्ञानंदा नें हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से ड्रा खेला , वहीं महिला वर्ग में सबसे आगे चल रही आर भारत की आर वैशाली को कजाकिस्तान के बिबिसारा असुबयेवा के हाथों हार का सामना करना पड़ा है ।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में

अपनी प्रतिभा दिखाने उतरेंगे 100 पेरिस पैरा ओलंपिक मेडलिस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ऐतिहासिक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगी। इसमें 104 देशों के 2,200 से ज्यादा ऐथलीट्स 186 पदक इवेंट्स में हिस्सा लेंगे। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा पैरा खेल आयोजन होगा। चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले, कड़ी टक्कर और यादगार प्रदर्शन देखने को मिलेंगे, क्योंकि पेरिस पैरालंपिक में 308 पदक जीतने वाले कुल 100 पदक विजेता, जिनमें 112 गोल्ड, 96 सिल्वर और 100 ब्रॉन्ज पदक विजेता शामिल हैं, सबसे भव्य पैरा एथलेटिक्स मंच पर अपनी क्षमता का परीक्षण करने के लिए वापस आएंगे।

यह पहला मौका है जब भारत इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेज़बानी कर रहा है। इस बार प्रतियोगिता का कार्यक्रम भी बड़ा होगा, जिसमें कुल 186 पदक इवेंट होंगे, जो पिछली बार कोबे में हुए आयोजन से 15 अधिक हैं। इनमें 101 इवेंट पुरुषों के लिए, 84 महिलाओं के लिए और 1 मिश्रित इवेंट होगा। सबसे आगे हैं जर्मनी के मार्कस रेहम, जो पुरुषों की लंबी कूद टी64 में चार बार के पैरा ओलंपिक चैंपियन और सात बार के विश्व चैंपियन हैं। उन्हें ब्लेड जम्पर कहा जाता है। रेहम के नाम ऐसा विश्व रिकॉर्ड है, जो इस सदी के सभी ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं की छलांग से भी आगे है।

भारत का गर्व, सुमित अंतिल, जो दो बार के पैरा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ64 श्रेणी में मौजूदा वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियन हैं। वह एक बार फिर घरेलू दर्शकों को अपने शानदार प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। स्विट्ज़रलैंड की कैथरीन डेब्रूनर, जिन्होंने पेरिस पैरा ओलंपिक में छह इवेंट्स में पाँच स्वर्ण और एक रजत जीतकर सुर्खियाँ बटोरीं, नई दिल्ली में पाँच रेसों में हिस्सा लेंगी और अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने का लक्ष्य रखेंगी। पैरा ओलंपियन प्रवीन कुमार, जो पुरुषों की हाई जंप टी64 में खेलते हैं, अपनी पदक सूची को पूरा करने के लिए भारत में होने वाली वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने को उत्सुक हैं। अन्य सितारों में शामिल हैं ब्राज़ील के पेट्रुसियो फरेरा, जिन्हें दुनिया का सबसे तेज़ पैरा ओलंपियन माना जाता है। वे पुरुषों की 100 मीटर टी47 दौड़ में अपना लगातार पाँचवाँ विश्व खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। भारत की ध्वजवाहक प्रीति पाल, जिन्होंने पेरिस 2024 में दो कांस्य पदक जीते और कोबे में भी शानदार प्रदर्शन किया, इस बार भी सबका ध्यान आकर्षित करेंगी। ऑस्ट्रेलिया की वेनेसा लो, जिन्होंने पेरिस में लंबी कूद टी63 में स्वर्ण पदक जीता था, अब एक बार फिर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के परिचित मैदान पर उतरेंगी और श्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में अपनी अगुवाई जारी रखेंगी।

सफिया जेजल, जेसी ज़ेस्सेउ और नसीमा सैफी जैसे अन्य ओलंपिक पदक विजेता भी इस आयोजन में सितारों की चमक बढ़ाएँगे। मौजूदा दिग्गज खिलाड़ियों के अलावा, यह चैंपियनशिप नए उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी मंच देगी, जो अपनी पहचान बनाने के लिए उत्सुक हैं। यही कारण है कि यह आयोजन दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए बिल्कुल भी मिस न करने वाला होगा।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप भारतीय खेल इतिहास में एक माइलस्टोन साबित होगी, जहाँ पैरा खिलाड़ियों के जज़्बे, कौशल और हिम्मत का जश्न जोशीले घरेलू दर्शकों के सामने मनाया जाएगा।

डेविस कप:

भारत ने विश्व ग्रुप 1 में स्विट्ज़रलैंड को 3-1 से हराया

बिएल, एजेंसी। भारत ने शनिवार को स्विस टेनिस एरीना में विश्व ग्रुप 1 के पहले दौर के मैच में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर डेविस कप में इतिहास रच दिया।

भारतीय टीम ने 1993 के बाद पहली बार यूरोप में किसी यूरोपीय देश पर जीत दर्ज की। शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने शनिवार को स्विट्जरलैंड के बिएल स्थित स्विस टेनिस एरीना में हेनरी बर्नेट को एकल में 6-1, 6-3 से हराकर विश्व ग्रुप 1 चरण में भारत की जीत सुनिश्चित की। इसके साथ ही, मौजूदा भारतीय टीम ने लिएंडर पेस और रमेश कृष्णन की टीम के उस प्रदर्शन को दोहराया, जिसने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस को 3-2 से हराया था। भारत अब विश्व ग्रुप क्वालीफायर में पहुंच गया है, लेकिन इस परिणाम के साथ स्विट्जरलैंड डेविस कप 2026 विश्व ग्रुप 1 प्ले-ऑफ में पहुंच गया है। भारतीय टीम ने एक और इतिहास रच दिया क्योंकि 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद से वह विश्व ग्रुप 1 के अपने मुकाबलों में जीत हासिल नहीं कर पाई है। भारत तीन मौकों 1966, 1974 और 1987 में उपविजेता रहा है।

दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुक्रवार को शुरुआती मैच में उच्च रैंकिंग वाले जेरोम किम को 7-6(5), 6-3 से हराकर शानदार शुरुआत की। नागल ने मेहमान टीम के लिए एक प्रभावशाली दिन का समापन किया क्योंकि उन्होंने दिन के दूसरे मैच में मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 8-3, 7-6(1) से हराकर शुरुआती एकल के बाद भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, मेजबान टीम ने पुरुष युगल मुकाबले में वापसी करते हुए जीत हासिल की। जैकब पॉल और डोमिनिक स्ट्राइकर ने एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली को कड़े मुकाबले में हराया। एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए, उन्होंने 6-7(3), 6-4, 7-5 से जीत हासिल की और स्कोर 1-2 कर दिया।

भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की और टाई-ब्रेक के बाद पहला सेट अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट के 10वें गेम में सर्विस टूटने के बाद वे अगला सेट हार गए। तीसरे सेट में एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक बोलिपल्ली ने तीसरे गेम में स्विस जोड़ी की सर्विस तोड़ी, लेकिन छठे और 12वें गेम में सर्विस गंवाकर दो घंटे 21 मिनट में हार का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तानी कोच हेसन ने नवाज को वर्ल्ड बेस्ट स्पिनर बताया

भारतीय कोच का तंज- अपने खिलाड़ी को जहां चाहें, वहां रैंक करें

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के हेड कोच माइक हेसन ने बड़ा बयान दिया। हेसन ने अपनी टीम के स्पिनर मोहम्मद नवाज को दुनिया का बेस्ट स्पिनर करार दे दिया। हालांकि नवाज इस समय टी-20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में 30वें स्थान पर हैं। अब इस पर भारत के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे का रिएक्शन आया है। डेशकाटे ने हेसन पर तंज कसते हुए कहा, हर किसी को अपने खिलाड़ियों को जहां चाहे रैंक करने का अधिकार है। माइक हेसन का दावा 11 सितंबर को माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है हमारी टीम की खूबसूरती यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं।

हमारे पास मोहम्मद नवाज हैं, जो इस समय दुनिया के बेस्ट स्पिन बॉलर हैं, और पिछले छह महीनों से टीम में वापसी के बाद वह इसी तरह रैंक किए गए हैं। भारत के कोच का संतुलित जवाब 13 सितंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डेशकाटे से भी हेसन के इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस टूर्नामेंट में स्पिनर बहुत महत्वपूर्ण होने वाले हैं। अगर कुछ है तो मुझे नहीं लगता कि विकेट ने उतना ग्रिप किया है जितना हमने सोचा था, और निश्चित रूप से उतना नहीं जितना इस साल की शुरुआत में किया था।

लेकिन टी-20 क्रिकेट में स्पिन बहुत अहम हो गया है और दोनों टीमों के पास अच्छे स्पिनर हैं। हमें पता है कि वरुण, अक्षर और कुलदीप के बारे में हम कैसा महसूस करते हैं, इसलिए हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है और वे अपने खिलाड़ियों को जहां चाहें वहां रैंक कर सकते हैं।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप से बाहर

अधिक वजन से छिना मौका

जाग्रेब, एजेंसी। पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किलो वर्ग के मुकाबले से पहले हुए वजन जांच में अमन का वजन 1.7 किलो अधिक पाया गया। इस वजह से उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया। भारत की कुश्ती टीम को बड़ा झटका लगा है। ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को रविवार को जाग्रेब (क्रोएशिया) में चल रही वर्ल्ड चैंपियनशिप से अयोग्य करार दिया गया।इसका कारण तो और भी चौंकाने वाला है। उनका वजन तय सीमा से ज्यादा पाया गया और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

1.7 किलो अधिक वजन निकला: पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाले अमन का वजन पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में प्रतियोगिता से पहले हुए वजन मापन (वेट-इन) में 1.7 किलो ज्यादा पाया गया। भारतीय दल के एक सदस्य ने बताया, %यह दुर्भाग्यपूर्ण और चौंकाने वाला है कि अमन अपना वजन नियंत्रित नहीं कर पाए। जब उन्होंने वेटिंग स्केल पर खड़ा होकर वजन कराया, तो वे 1700 ग्राम अधिक पाए गए। यह वास्तव में स्वीकार्य नहीं है। हमें समझ नहीं आ रहा कि उनका वजन इतना कैसे बढ़ गया।

विनेश फोगाट का मामला याद आया

भारत को पेरिस ओलंपिक 2024 में तब बड़ा झटका लगा था, जब दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट को फाइनल से पहले उनके बढ़े हुए वजन को लेकर डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। वजन मापने के दौरान 29 वर्षीय विनेश का वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया और इसी कारण उन्हें 50 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल से पहले अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश ने तमाम कोशिशें कीं, लेकिन निर्धारित वजन सीमा के अंदर नहीं पहुंच सकी थीं। इस घटना के चलते भारत ओलंपिक में एक संभावित पदक से चूक गया था।

25 अगस्त से जाग्रेब में थे अमन: अमन 25 अगस्त को अन्य भारतीय पहलवानों के साथ एडजस्टमेंट (अक्लिमेटाइजेशन) कैंप के लिए जाग्रेब पहुंचे थे। ऐसे में उनके पास वजन बनाने के लिए पर्याप्त समय था। 22 वर्षीय अमन सेहरावत दिल्ली के मशहूर छत्रसाल स्टेडियम में ट्रेनिंग करते हैं। वे इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के सबसे मजबूत पदक दावेदारों में से एक माने जा रहे थे।